राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून

सीतापुर, रविवार, 16 नवंबर 2025

वर्ष 14, अंक 213, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

वरिष्ठ पत्रकार मुकेश द्विवेदी पर हुए जानलेवा हमले की जांच तेज, पुलिस खुलासे के बेहद करीब..03

बाबा खान बने पत्रकार, हर थानों में आपराधिक मामले फिर भी बन बैठे पत्रकार..04

राहुल-तेजस्वी की जोड़ी फेल, किसने बिगाड़ा महागठबंधन का खेल?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद अब इस बात की समीक्षा होगी कि महागठबंधन की इतनी बुरी गत क्यों हुई. महागठबंधन की पार्टियों को वोट भी ठीकठाक मिले. मुकाबला भी कांटे का दिखा. पर, सीटों में यह तब्दील नहीं हुआ. महागठबंधन को 243 मे सिर्फ 34 सीटों से संतोष करना पड़ा. एनडीए ने 200 से अधिक सीटें जीत कर भारी बहुमत हासिल कर लिया है. जहां तक वोट शेयर की बात है, महागठबंधन पिछली बार के 37.2 प्रतिशत वोटों पर ही अंटका रहा, जबकि एनडीए ने पिछले 37.3 प्रतिशत वोटों के मुकाबले इस बार 10 प्रतिशत से अधिक वोट जोड़े. एनडीए को 47.7 प्रतिशत वोट इस बार मिले हैं. बहरहाल महागठबंधन के पिछड़ने के कारणों पर गौर करें तो कई ऐसी बातें उभर कर सामने आती हैं, जो महागठबंधन की छवि को नुकसान पहुंचाने का कारण बनीं।

छठ पर राहुल की बयानबाजी

बिहार का प्रमुख पर्व छठ समाप्त होते ही राहुल गांधी 29 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर आए थे. वहां उन्होंने एक रैली को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी को छठ पूजा से कोई लेना-देना नहीं. उन्हें सिर्फ वोट चाहिए. इसके लिए वे मंच पर डांस-ड्रामा भी कर देंगे. इसे बिहार में आस्था के पर्व छठ का अपमान माना गया. सत्ताधारी एनडीए ने इसे छठ और बिहार का अपमान बताया. भाजपा ने इसे राहुल की हिन्दू विरोधी आचरण बताया. राहुल के इस बयान के कारण भाजपा हिन्दू वोटों को ध्रुवीकृत करने में कामयाब रही. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल को चेतावनी दी कि इसकी कीमत राहुल को चुनाव में चुकानी पड़ेगी. मुजफ्फरपुर कोर्ट में इसे लेकर राहुल के खिलाफ मामला भी दर्ज कराया गया है. भाजपा या एनडीए को छोड़ भी दें तो तेजस्वी यादव के बड़े भाई तेज प्रताप यादव ने इसे लेकर राहुल पर तल्ख टिप्पणी की- 'राहुल को छठ का ज्ञान ही नहीं, वे विदेश घूमते हैं.' महागठबंधन की चुनाव में दुर्गति हुई है तो इसका एक कारण राहुल का बयान भी है.

शहाबुद्दीन जिंदाबाद का नारा

तेजस्वी यादव ने मुस्लिम-यादव समीकरण को पुख्ता करने के लिए आपराधिक छवि के पूर्व सांसद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा सहाब को आरजेडी में शामिल कराया था. जनवरी में तेजस्वी जब सीवान दौरे पर आए तो उन्होंने शहाबुद्दीन के परिवार के साथ न सिर्फ मंच साझा किया, बल्कि भीड़ के उस नारे का गवाह भी बने, जिसने 'शहाबुद्दीन अमर रहें' के नारे लगाए थे. जुलाई 2025 में आरजेडी के स्थापना दिवस पर भी तेजस्वी ने खुद इसे दोहराया था. ऐसे ही बाहुबलियों के कारण लालू-राबड़ी के शासन को जंगल राज बताने वाली भाजपा ने इसे जंगल राज की वापसी बताकर प्रचार किया. चुनाव परिणाम आने के बाद भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा भी कि शहाबुद्दीन जिंदाबाद के नारे से ही महागठबंधन की हार तय हो गई थी. बिहार की जनता जंगल राज नहीं चाहती. तेजस्वी के इस नारे से तेजस्वी के नेतृत्व में महागठबंधन की बन रही साफ-सुथरी छवि को नुकसान पहुंचा।

ओवैसी को चरमपंथी बताना

तेजस्वी यादव ने अक्टूबर में AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बारे में एक ऐसी टिप्पणी कर दी, जो मुसलमानों को नाराज करने के लिए काफी थी. महागठबंधन के पक्ष में मुस्लिम वोट साधने के लिए तेजस्वी ने ओवैसी को चरमपंथी बताया था. ओवैसी ने इसे मुसलमानों का अपमान बताया. उन्होंने यहां तक कह दिया कि इसका खामियाजा तेजस्वी को भोगना पड़ेगा. राहुल गांधी ने भी इसे अप्रत्यक्ष समर्थन दिया था. ओवैसी ने सीमांचल की अपनी रैलियों में इस मुद्दे को खूब उछाला. वे यही कहते कि आरजेडी की नजर में नमाजी चरमपंथी हैं. इससे सीमांचल की मुस्लिम बहुल 24 सीटों पर असर पड़ा. मुस्लिम वोट बंट गए और ओवैसी की पार्टी ने 5 सीटें जीत लीं. बिहार में मुस्लिम आबादी करीब 17 प्रतिशत है. मुस्लिम वोटों का बिखराव महागठबंधन की दुर्गति का कारण रहा है.

मुस्लिमों को कमतर आंकना

तेजस्वी यादव और राहुल गांधी की जोड़ी ने बिहार की 17 प्रतिशत आबादी वाले मुसलमानों के साथ न्याय नहीं किया. मुस्लिम-यादव समीकरण को आधार बना कर चलने वाली पार्टी आरजेडी ने अपने हिस्से की 143 सीटों में सिर्फ 18 ही मुसलमानों को दी, जबकि यादव जाति के लोगों को 50 से अधिक सीटें मिलीं. इतना ही नहीं, जब बिहार के सीएम और डिप्टी सीएम के नामों का महागठबंधन के प्रेस कान्फ्रेंस में ऐलान हुआ, तब भी मुसलमानों ने अपने को उपेक्षित महसूस किया. 3 फीसद से भी कम आबादी वाले वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी को महागठबंधन का डिप्टी सीएम चेहरा घोषित किया गया, जबकि 17 प्रतिशत आबादी वाले मुसलमानों पर गठबंधन ने चुप्पी साध ली. महागठबंधन को मुसलमानों की इस नाराजगी का कोपभाजन बनना पड़ा. चुनाव नतीजे इस बात की गवाही दे रहे हैं।

तेजस्वी समर्थकों के टेढ़े बोल

कोई माने या न माने, पर यह सच है कि तेजस्वी की दुर्गति कराने में उनके ही समर्थकों ने बड़ी भूमिका निभाई है. सोशल मीडिया और रैलियों में आक्रामक बयान देकर उन्होंने सवर्णों और गैर यादव ओबीसी जातियों के वोटरों को नाराज किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को महागठबंधन की रैलियों में गाली दी गई. 'भूराबाल' (भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण और कायस्थ) साफ करो का नारा उछाल कर आरजेडी नेताओं-समर्थकों ने सवर्ण वोटरों को नाराज किया. तेजस्वी राज आने पर क्या करेंगे उनके समर्थक, इसे भी सोशल मीडिया पर प्रचारित-प्रसारित किया गया. इससे तेजस्वी की युवा छवि को भी नुकसान हुआ.

नीतीश का बार-बार अपमान

लोकसभा चुनाव के ठीक पहले 2024 में जब नीतीश कुमार ने महागठबंधन से नाता तोड़ लिया तो तेजस्वी यादव उनके प्रति आक्रामक हो गए. उन्हें बूढ़ा, बीमार और लाचार मुख्यमंत्री साबित करने का उन्होंने अभियान छेड़ दिया. राहुल और तेजस्वी ने अपनी रैलियों में नीतीश कुमार को पलटू राम कहा. वोटर अधिकार यात्रा के दौरान इसे खूब दोहराया गया. इससे नीतीश के लव-कुश वोटरों और अति पिछड़ी जातियों में नकारात्मक संदेश गया. महागठबंधन की हार के बाद भाजपा ने कहा भी कि नीतीश का अपमान बिहार का अपमान था।

तेज प्रताप का निष्कासन

आरजेडी की दुर्गति का एक कारण तेज प्रताप यादव भी बने. उनके पिता लालू यादव ने चुनावी से पहले उन्हें पार्टी और परिवार से निष्कासित कर दिया था. इसी साल मई में लालू ने तेज प्रताप को 6 साल के लिए आरजेडी से निकाल दिया था. इससे यह संदेश गया कि जो आदमी परिवार नहीं संभाल सकता, वह सूबा कैसे संभालेगा. तेज प्रताप ने बाद में अपनी अलग पार्टी जनशक्ति जनता दल बना ली थी. महुआ से उन्होंने आरजेडी के खिलाफ चुनाव लड़ा. वे जीत तो नहीं पाए, लेकिन कई सीटों पर उम्मीदवार उतार कर उन्होंने तेजस्वी का खेल बिगाड़ने का काम किया. हार के बाद तेज प्रताप ने तंज भी किया- तेजस्वी फेलस्वी हो गए. तेज प्रताप के कारण यादवों के वोटों में बंटवारा हुआ और यह तेजस्वी के लिए घातक था।

न फिर से वोटिंग और न कोई मौत, बिहार में पहली बार हुआ ऐसा, PM मोदी ने यूं ही नहीं की EC की तारीफ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिहार विधानसभा चुनाव के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि मतदान के दिन किसी की भी मौत नहीं हुई और किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में पुनर्मतदान की जरूरत नहीं पड़ी। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले विधानसभा चुनावों में राज्य में हिंसा हुई, कुछ मौतें भी हुई और कई निर्वाचन क्षेत्रों में फिर से चुनाव भी कराने पड़े थे। बिहार में राजग की शानदार जीत के बाद यहां भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वे दिन गए जब राज्य में चुनाव में हिंसा, बूथों पर कब्जा और कदाचार के कारण पुनर्मतदान होते थे। उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव के दौरान राज्य में हिंसा की कोई घटना नहीं हुई और चुनाव आयोग को किसी भी मतदान केंद्र पर पुनर्मतदान का आदेश नहीं देना पड़ा। उन्होंने कहा, ''बिहार चुनाव में जंगलराज के दौरान बूथ कैप्चरिंग, हिंसा एक आम बात हुआ करती थी, लेकिन अब ऐसा कोई मामला नहीं होता है।'' उन्होंने यह भी कहा कि पहले के अवसरों पर, राज्य के कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में माओवादियों के डर से दोपहर 3 बजे मतदान समाप्त हो जाता था। लेकिन अब अन्य इलाकों की तरह 11 घंटे तक मतदान हुआ। मतदान आमतौर पर सुबह 7 बजे शुरू होता है और शाम 6 बजे समाप्त होता है। मोदी ने विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड संख्या में मतदान करके लोकतंत्र और चुनाव आयोग में विश्वास जताने के लिए लोगों को बधाई दी। बिहार में 7.45 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। इस बार 66.91 प्रतिशत मतदान हुआ। यह 1951 में हुए पहले बिहार चुनाव के बाद से सबसे अधिक मतदान है। मतदान केंद्रों पर 3.51 करोड़ मतदाता मतदान करने के लिए पहुंचे। बिहार ने अपने इतिहास में सबसे अधिक महिला मतदान दर्ज किया। आंकड़ों के अनुसार, 1985 के चुनावों में 63 मौतें हुई थीं और 156 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान का आदेश दिया गया था। साल 1990 के चुनावों के दौरान, चुनाव संबंधी हिंसा में 87 लोग मारे गए थे। साल 1995 में, तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त टी एन शेषन ने अप्रत्याशित हिंसा और चुनावी कदाचार के कारण बिहार चुनावों को चार बार स्थगित करने का आदेश दिया था। आंकड़ों के अनुसार, 2005 में हिंसा और कदाचार के कारण 660 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान हुआ था। बिहार में इस साल दो चरणों में विधानसभा चुनाव हुए और इसके लिए मतगणना जारी है।

साहब.. मुझपर ईसाई बनने का दबाव है, मैं हिंदू रहना चाहता हूं, इस परिवार को धर्म परिवर्तन की मिली धमकी, DM से सुरक्षा की गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

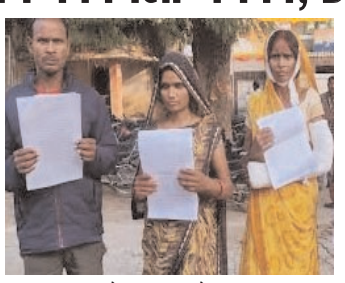

जौनपुर- नेवढ़िया थाना क्षेत्र के सरैया गांव के निवासी राजकुमार राजभर ने जबरन धर्म परिवर्तन कराने के गंभीर आरोप लगाते हुए (DM) कार्यालय पहुंचकर न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई. राजकुमार ने डीएम को दिए पत्र में कहा कि कुछ लोग उन्हें और उनके परिवार को ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बना रहे हैं, जबकि वह साफ शब्दों में कह चुके हैं कि वे जन्म से हिंदू हैं और हिंदू ही रहना चाहते हैं।

आरोपितों ने धर्म परिवर्तन से इनकार करने पर उनके परिवार के साथ मारपीट भी की, जिसमें एक सदस्य घायल हो गया. राजकुमार राजभर ने बताया कि गांव के कुछ लोग लगातार उन्हें धर्म बदलने के लिए मजबूर कर रहे हैं. कई बार धमकियां दी गई, लेकिन वे चुप रहे. जब दबाव बढ़ता गया और परिवार को निशाना बनाया जाने लगा, तब मजबूरन उन्हें जिला मुख्यालय जाकर अपनी बात प्रशासन के सामने रखनी पड़ी. उन्होंने कहा कि अगर अब भी प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की तो उनका परिवार गंभीर खतरे में पड़ सकता है।

'साहब, मैं हिंदू हूं और हिंदू ही रहना चाहता हूं'

पीड़ित ने आरोप लगाया कि बीते दिनों आरोपितों ने उनके घर पहुंचकर उनके परिवार के एक सदस्य को बुरी तरह पीट दिया, जिससे वह घायल हो गया. इस हमले के बाद पूरा परिवार भयभीत है और घर से बाहर निकलने में भी डर महसूस कर रहा है. राजकुमार का कहना है कि उन्होंने थाना नेवढ़िया में भी शिकायत की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. लगातार बढ़ते खतरे को देखते हुए वे सीधे छ्रूकार्यालय पहुंचे. डीएम से मिलने के दौरान राजकुमार ने कहा, 'साहब, मैं हिंदू हूं और हिंदू ही रहना चाहता हूं. मुझे जबरदस्ती ईसाई बनाने की कोशिश की जा रही है. मैं किसी भी कीमत पर धर्म परिवर्तन नहीं करूंगा, लेकिन मना करने पर मेरे परिवार को पीटा जा रहा है और धमकाया जा रहा है. कृपया हमें सुरक्षा दिलाइए.'

पुलिस अधिकारियों को जांच के आदेश

राजकुमार के मुताबिक, उनके परिवार पर बनाए जा रहे दबाव और हिंसा के मामलों से बच्चे और महिलाएं भी दहशत में हैं. घर का माहौल तनावपूर्ण है और रात में भी परिवार के सदस्यों को चैन की नींद नहीं मिल पा रही है. डीएम ने पूरे मामले को गंभीरता से सुनते हुए तुरंत पुलिस अधिकारियों को जांच के आदेश दिए. साथ ही पीड़ित परिवार को आवश्यक सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन दिया. प्रशासन का कहना है कि किसी भी व्यक्ति पर धर्म परिवर्तन का दबाव डालना कानूनन अपराध है और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी. राजकुमार ने कहा कि उन्हें अब प्रशासन से उम्मीद है कि उनके परिवार को न्याय मिलेगा और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी. उन्होंने यह भी कहा कि वे अपने धर्म में पूरी आस्था रखते हैं और किसी भी तरह के धमकी-धमकियों से डरकर धर्म परिवर्तन नहीं करेंगे. मामला फिलहाल पुलिस जांच के अधीन है और पीड़ित परिवार प्रशासनिक कार्रवाई का इंतजार कर रहा है।

संक्षिप्त ख़बरें

बैंक कैशियर की हार्ट अटैक से मौत, सोते वक्त चली गई जान, पूरी कहानी जानकर हैरान हो जाएंगे

गाजीपुर- उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में हुई एक दर्दनाक घटना ने सभी को दहला दिया है। जिले के करंडा थाना क्षेत्र के चाड़ीपुर गांव में रहने वाले त्रिभुवन शर्मा (54) की रात में सोते समय हार्ट अटैक से मौत हो गई। त्रिभुवन पिछले तीन वर्षों से जिला सहकारी बैंक लिमिटेड की शाखा में कैशियर के पद पर कार्यरत थे। ड्यूटी खत्म होने के बाद वे बैंक परिसर में ही नियमित रूप से आराम करते थे।

हार्ट अटैक का पता कैसे चला

एडीओ सहकारिता विद्याप्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि हर रोज की तरह शुक्रवार को भी ड्यूटी खत्म होने के बाद वह सामान्य रूप से सोने चले गए। शनिवार सुबह करीब 8 बजे तक वह नहीं उठे। ऐसे में बैंक रसोईया पवन गोड़ ने उन्हें जगाने के लिए गेट से आवाज लगाई। त्रिभुवन की ओर से कोई जवाब न मिलने पर पवन ने ग्रील से डंडे की मदद से उन्हें जगाने की कोशिश की, लेकिन वह फिर भी नहीं उठे। जिससे बैंक जिस भवन से संचालित होता है उसके मकान मालिक को शक हुआ।

उन्होंने तुरंत शाखा प्रबंधक और परिजनों को मामले की सूचना दी। सूचना मिलते ही शाखा प्रबंधक सूर्यजीत यादव मौके पर पहुंचे। सूर्यजीत ने अपनी दूसरी चाबी से ताला खोलकर बैंक में प्रवेश किया तो अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। बेड पर त्रिभुवन शर्मा निर्जीव पड़े थे। जांच के बाद निजी डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने प्रारंभिक रूप से हार्ट अटैक को मौत का कारण बताया। परिजन मौके पर पहुंचे और बिना पुलिस कार्रवाई के शव को निजी वाहन से पैतृक गांव चाड़ीपुर ले गए। वहीं मरदह थानाध्यक्ष तारावती ने कहा कि उन्हें घटना की कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है। बताया जा रहा है कि मृतक त्रिभुवन शर्मा किसी गंभीर बीमारी की दवा लेते थे। वह पहले से ही बीमार चल रहे थे।

कंधे पर हाथ, चेहरे पर मुस्कान और ठहाके... जब नीतीश से मिले चिराग पासवान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना- बिहार विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आते ही एनडीए में खुशियों की बहार आ गई. शुक्रवार रात जश्न मनाया गया, तो शनिवार सुबह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर कई बड़े नेता मिलने के लिए जा पहुंचे. इसी सिलसिले में केंद्रीय मंत्री और लोजपा प्रमुख चिराग पासवान भी सीएम नीतीश कुमार से मिले और बधाई दी. जब नीतीश कुमार और चिराग पासवान की मुलाकात हुई तो खूब ठहाके लगे. इसकी तस्दीक तस्वीरें भी करती दिखीं. कभी एक-दूसरे से नाराज रहने वाले नीतीश और चिराग के बीच अटूट प्रेम दिखाई दिया. दोनों की मुलाकात की खूबसूरत तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें दोनों मुस्कुराते और ठहाके लगाते हुए नजर आ रहे हैं. चुनाव नतीजों के बाद दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में बड़ी जीत का जश्न मनाया गया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गमछा लहराते हुए मंच पर पहुंचे और कार्यकर्ताओं के साथ 'फिर एक बार

ह्र्ष्ठ सरकार' का नारा लगाया. मंच से लेकर मैदान तक जीत की गूंज सुनाई दी. लेकिन इसी राजनीतिक बयार के बीच अगली सुबह एक तस्वीर खूब चर्चा में रही. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जब चिराग पासवान का स्वागत किया तो उनके चेहरे पर सहज मुस्कान थी. नीतीश ने चिराग के कंधे पर हाथ रखा, जबकि दोनों के बीच हल्की-फुल्की बातचीत में ठहाके भी गूंजे. यह माहौल देखकर साफ समझ आ रहा था कि चुनावी तनाव और पुराने मतभेद फिलहाल पीछे छूट चुके हैं. मुलाकात में अपनापन और राजनीतिक संयम दोनों झलक रहे थे।

पिछले चुनाव में बिगड़ गए थे रिश्ते

2020 के विधानसभा चुनाव में चिराग ने जदयू के खिलाफ उम्मीदवार उतारकर नीतीश की सीटों को 43 तक सीमित कर दिया था. इसके जवाब में जदयू पर चिराग की लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) को तोड़ने के आरोप लगे, जिसके बाद चिराग ने एलजेपी (रामविलास) बनाई. हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव में चिराग की पार्टी ने पांच सीटों पर जीत हासिल की और नीतीश के साथ उनके रिश्ते सुधरे. चिराग ने कई मौकों पर खुलकर कहा कि वह नीतीश के नेतृत्व में 2025 का चुनाव लड़ने को तैयार हैं।

सीएम नीतीश से मिलने वालों की कतार

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने वालों की लाइन लग गई. सुबह से ही कई बड़े नेता उनके आवास पर पहुंच चुके हैं. केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, जेडीयू के तमाम नेता और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान समेत कई लोग उनसे मुलाकात कर जीत की बधाई दे चुके हैं।

'बाबरी मस्जिद का बदला लेना...' इटावा में दानिश ने सोशल मीडिया पर किया विवादित पोस्ट; हिंदू संगठन की शिकायत पर पुलिस हुई एक्टिव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली में हुए बम धमाके के बाद जहां देशभर में सुरक्षा एजेंसियां कड़े अलर्ट मोड पर हैं, वहीं इटावा में शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक युवक की ओर से की गई आपत्तिजनक पोस्ट ने माहौल गर्मा दिया. शहर के एआरटीओ कॉलोनी के रहने वाले एक युवक ने बाबरी मस्जिद ढांचे की तस्वीर पोस्ट करते हुए उस पर 'बाबरी मस्जिद का बदला लेना ही लेना है, इंशाल्लाह' जैसी टिप्पणी लिख दी. पोस्ट देखते ही देखते कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद शहर में आक्रोश की लहर फैल गई. पोस्ट वायरल होने के बाद अलग-अलग सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों में भारी नाराजगी देखने को मिली. हिंदू सेवा समिति ने आपत्तिजनक पोस्ट का संज्ञान लेते हुए मामले की गंभीरता पर प्रकाश डाला और मुख्यमंत्री सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को ट्वीट कर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

आपत्तिजनक पोस्ट पर पुलिस हुई एक्टिव

समिति के संस्थापक प्रदीप शर्मा ने कहा कि इस प्रकार की पोस्ट समाज में सांप्रदायिक तनाव पैदा कर सकती हैं, इसलिए तत्काल एक्शन बेहद जरूरी है. उधर घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी इटावा ने मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल और थाना सिविल लाइन पुलिस को जांच के निर्देश दिए. साइबर जांच में आरोपी युवक की पहचान दानिश खान, निवासी एआरटीओ कॉलोनी, के रूप में हुई।

दानिश के संभावित ठिकानों पर चल रही छापेमारी

पुलिस ने दोपहर बाद उसके घर पर दबिश दी, लेकिन वह मौके से फरार मिला. पुलिस युवक की मां को पूछताछ के लिए थाने ले गई है और उससे आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है. सीओ सिटी अभय नारायण राय ने बताया कि दानिश ने दानिश रफ्तार नाम की आईडी से फेसबुक और व्हाट्सऐप पर यह विवादित स्टेटस डाला था. साइबर सेल की तकनीकी जांच में उसकी अंतिम लोकेशन कांशीराम कॉलोनी क्षेत्र में ट्रेस हुई. पुलिस टीमें उसके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं. पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए डिजिटल सबूतों को सुरक्षित किया जा रहा है. आरोपी की गतिविधियों, उसके संपर्कों और पोस्ट के उद्देश्य को लेकर गहन पड़ताल की जा रही है. इस प्रकार की सामग्री ना सिर्फ कानून का उल्लंघन है, बल्कि समाज की शांति व्यवस्था को भी खतरे में डालती है. पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी भ्रामक या भड़काऊ पोस्ट पर विश्वास न करें और ऐसी सामग्री दिखने पर तत्काल पुलिस या फिर साइबर सेल को सूचित करें।

श्रीनगर थाने में हुए विस्फोट में नौ लोगों की मौत, आतंकी मॉड्यूल की जांच से जुड़ा मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीनगर- शुक्रवार (14 नवंबर) को जब जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) के जांचकर्ताओं का एक समूह, जम्मू-कश्मीर के राजस्व विभाग के अधिकारी और एक दर्जी श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में फरीदाबाद 'आतंकी मॉड्यूल' मामले में हुई बरामदगी का प्रदर्शन तैयार कर रहे थे, वहां जबर्दस्त विस्फोट हुआ. जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक नलिन प्रभात ने शनिवार सुबह श्रीनगर में पत्रकारों को बताया कि विस्फोट 'आकस्मिक' था, साथ ही उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए विस्फोट के कारण के बारे में 'कोई भी अन्य अटकलें' अनावश्यक हैं. डीजीपी ने कहा कि इस सप्ताह की शुरुआत में फरीदाबाद से बरामद 2900 किलोग्राम विस्फोटक और अन्य सामग्री को 'नौगाम पुलिस स्टेशन के खुले क्षेत्र में सुरक्षित रूप से ले जाया और रखा गया था.' उन्होंने कहा, 'निर्धारित प्रक्रिया के तहत बरामदगी के नमूने को आगे की जांच के लिए भेजा जाना था. बरामदगी की मात्रा बहुत ज़्यादा होने के कारण यह प्रक्रिया गुरुवार से चल रही थी. बरामदगी की अस्थिर और संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए, नमूना लेने की प्रक्रिया और संचालन एफएसएल टीम द्वारा अत्यंत सावधानी से किया जा रहा था. हालांकि, दुर्भाग्य से एक दुर्घटना घट गई.' प्रभात ने बताया कि विस्फोट में एक एसआईए अधिकारी, तीन एफएसएल विशेषज्ञ, दो राजस्व विभाग के अधिकारी, दो पुलिस फ़ोटोग्राफ़र और एक दर्जी सहित नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से ज़्यादा लोग घायल हो गए।

डीजीपी ने मीडिया ब्रीफिंग के दौरान पत्रकारों के सवालों के जवाब नहीं दिए. मृत एसआईए अधिकारी की पहचान असरार-उल-हक के रूप में हुई है, जिन्होंने कल रात श्रीनगर स्थित अपने आवास पर अपनी पत्नी से कहा था कि वह अपना काम खत्म करके 10 मिनट में लौट आएंगे. प्रभात ने कहा कि विस्फोट के कारण पुलिस स्टेशन की इमारत 'बुरी तरह क्षतिग्रस्त' हो गई. डीजीपी ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर पुलिस इस दुख की घड़ी में मृतकों के परिवारों के साथ है.' एक सूत्र ने बताया कि नौगाम पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी की जान बाल-बाल बच गई क्योंकि वह विस्फोट से कुछ क्षण पहले रात लगभग 11:20 बजे उस इलाके से बाहर चले गए थे जहां जांचकर्ता प्रदर्शनियां तैयार कर रहे थे. एक सूत्र ने बताया कि मरने वालों में एक नागरिक मोहम्मद शफी पारें भी शामिल हैं, जो दर्ज़ी का काम किया करते थे. वे वहां इसलिए थे कि सामग्री को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किए जाने के बाद उसे सिलकर पैक कर दें. मगर ऐसा होने से पहले ही सब कुछ आग की लपटों में घिर गया और वहां अफरा-तफरी मच गई. जम्मू-कश्मीर पुलिस की एक टीम ने फरीदाबाद पुलिस के साथ मिलकर इस सप्ताह की शुरुआत में जैश-ए-मोहम्मद और अंसार ग़ज़वत-उल-हिंद द्वारा कथित रूप से संचालित 'अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय' 'आतंकी मॉड्यूल' के संदिग्ध ठिकाने से लगभग 2900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री, उपकरण, रसायन और बैटरियां बरामद की थीं. बाद में यह मामला जम्मू-कश्मीर पुलिस की आतंकवाद निरोधी इकाई एसआईए को सौंप दिया गया. बरामद सामान, जिन्हें कथित तौर पर 'आतंकी मॉड्यूल' के सदस्यों ने बाल्टियों और ब्रीफकेस में रखा था, इस सप्ताह की शुरुआत में श्रीनगर लाए गए. नौगाम और आसपास के इलाकों के कुछ निवासियों ने बताया कि वे भीषण विस्फोट से जाग गए, जिसकी आवाज़ श्रीनगर और उससे सटे दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के अधिकांश हिस्सों में सुनी गई. एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट में पुलिस थाना बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि परिसर में खड़ी कई कारें भी आग की चपेट में आ गई. विस्फोट स्थल पर शूट किए गए कुछ वीडियो में बचावकर्मी पुलिस थाने में लगी भीषण आग से घायलों को निकालने के लिए संघर्ष करते दिखाई दे रहे हैं. नौगाम के एक स्थानीय निवासी, जिन्होंने नाम न छापने की शर्त पर द वायर को बताया कि पहले भीषण विस्फोट में इलाके के कई रिहायशी घर क्षतिग्रस्त हो गए और उसके बाद कम तीव्रता वाले कई विस्फोट हुए. माना जा रहा है कि कम तीव्रता वाले विस्फोटों के कारण बचावकर्मियों को घायलों को निकालने में दिक्कत हुई, जिन्हें बाद में श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल और नौगाम के उजाला सिग्नस अस्पताल ले जाया गया. ऊपर उल्लेख किए गए अधिकारी ने कहा, 'उनमें से कुछ की हालत गंभीर है.' पुलिस अधिकारियों और फॉरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम ने श्रीनगर में विस्फोट स्थल की घेराबंदी कर दी है. फरीदाबाद 'आतंकी मॉड्यूल' मामले में अब तक दो कश्मीरी डॉक्टरों - डॉ. मुज़म्मिल शकील और डॉ. अदिल अहमद राठेर, क्रमशः हरियाणा और उत्तर प्रदेश से - की गिरफ़्तारी हुई है, जबकि दुबई का एक अन्य डॉक्टर फ़रार है. इस मामले में लखनऊ की एक महिला डॉक्टर को भी गिरफ़्तार किया गया है. 10 नवंबर को 'आतंकी मॉड्यूल' का भंडाफोड़ होने के कुछ ही घंटों बाद लाल किले के आसपास पुरानी दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाके में एक मेट्रो स्टेशन के पास एक भीषण विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम 13 लोग मारे गए और दो दर्जन से ज़्यादा घायल हो गए. इस हफ़्ते की शुरुआत में हुई कैबिनेट बैठक के बाद केंद्र ने कहा था कि इस विस्फोट को आतंकवादी घटना माना जा रहा है।

फरीदाबाद से लाल किला तक: दिल्ली ब्लास्ट ने खोली साजिश की परतें

10 नवंबर 2025 की शाम लाल किले के पास सफेद रंग की एक हुंडई आई-20 में हुए धमाके ने कुछ ही पलों में देश की राजधानी को दहशत में डाल दिया। कुछ ही मिनटों में पूरा इलाका पुलिस, एम्बुलेंस और दमकल की गाड़ियों से भर गया। धुएँ के बादल, लोगों की चीखें, और भागते हुए कदमों की आवाज़ें–यह किसी हादसे का नहीं, बल्कि योजनाबद्ध आतंकी हमले का दृश्य था। शुरुआती जांच में यह सामने आया कि धमाके में अमोनियम नाइट्रेट और पेंटाएरिथ्रॉल टेट्रानाइट्रेट (PETN) जैसे उच्च श्रेणी के विस्फोटक इस्तेमाल किए गए थे। यह कोई साधारण हमला नहीं था; यह एक संदेश था–कि आतंक अब अपना चेहरा बदल चुका है।

जांच ने जैसे-जैसे रफ्तार पकड़ी, एक ऐसा सच सामने आया जिसने पूरे देश को झकझोर दिया। धमाके में शामिल कार एक डॉक्टर के नाम पर दर्ज थी–एक ऐसा व्यक्ति जो जीवन बचाने की शपथ ले चुका था, लेकिन मौत का सौदागर बन बैठा। फरीदाबाद के एक मेडिकल कॉलेज से जुड़े डॉक्टर मोहम्मद उमर नबी का नाम जैसे ही सामने आया, समाज में सन्नाटा छा गया। डीएनए रिपोर्ट ने पुष्टि की कि मलबे में मिली लाश उसी की थी। लेकिन असली झटका तब लगा जब यह खुलासा हुआ कि यह कोई अकेला भटका हुआ युवक नहीं था, बल्कि एक संगठित 'व्हाइट कॉलर टेरर नेटवर्क' का हिस्सा था–जहाँ आतंकी अब बंदूक नहीं, बल्कि डिग्री और ज्ञान की आड़ में काम कर रहे थे। धौज गांव में हुई छापेमारी में हजारों किलो विस्फोटक, डेटोनेटर और विदेशी नेटवर्क से जुड़े दस्तावेज़ मिले। जांच में यह भी पता चला कि उमर ने कुछ महीने पहले तुर्की की यात्रा की थी, जहाँ उसकी मुलाकात जैश-ए-मोहम्मद के एक हैंडलर से हुई। वहीं से भारत के प्रमुख राष्ट्रीय प्रतीकों पर हमले की योजना बनी। सूत्रों के मुताबिक, इस हमले को 26 जनवरी या किसी बड़े त्योहार के मौके पर अंजाम देने की योजना थी, ताकि देश की आत्मा को झकझोरा जा सके। लेकिन सहयोगियों की गिरफ्तारी के डर से उन्होंने यह कदम जल्दबाजी में उठाया। शायद इसी वजह से उनका नेटवर्क पूरी तरह सक्रिय नहीं हो पाया, और देश एक बहुत बड़ी तबाही से बच गया।

इस पूरे मामले ने एक गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है–जब आतंक की जड़ें अब शिक्षा संस्थानों और अस्पतालों में पहुँचने लगें, तो समाज कहाँ सुरक्षित बचेगा? डॉक्टर, जो जीवन बचाने का प्रतीक होता है, जब वही विनाश का कारण बन जाए, तो यह सिर्फ कानून-व्यवस्था की नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना की हार होती है। फरीदाबाद के अल-फलाह यूनिवर्सिटी का नाम भी इस जांच में आने के बाद बहस का विषय बना रहा। विश्वविद्यालय ने भले ही कहा कि इन व्यक्तियों का संस्थान की नीति से कोई संबंध नहीं, लेकिन लोगों के मन में यह प्रश्न गूंजता रहा कि आखिर शिक्षा और कट्टरता का यह संगम कैसे संभव हुआ? डॉ. शाहीन शाहिद और डॉ. परवेज़ अंसारी की गिरफ्तारी ने इस नेटवर्क का एक और चेहरा उजागर किया–'जमात-उल-मोमिनात' नामक संगठन, जो महिलाओं में वैचारिक उग्रता फैलाने का कार्य कर रहा था। अब आतंकवाद का नया चेहरा खुलकर सामने आ चुका है। यह अब बम और गोलियों से नहीं, बल्कि विचारों और विश्वासों से लड़ाई लड़ रहा है। यह आतंक का 'इंटेलेक्चुअल वर्ज़न' है–जहाँ लोग किताबों, प्रवचनों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के ज़रिए ज़हर बो रहे हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि यह संक्रमण चुपचाप फैलता है, बिना किसी शोर-शराबे के, और जब तक समाज इसे पहचानता है, तब तक इसकी जड़ें गहराई तक जा चुकी होती हैं।

यह घटना सिर्फ दिल्ली पर हमला नहीं थी; यह हमारी चेतना पर वार था। जब शिक्षा अंधकार फैलाने का जरिया बन जाए, जब डॉक्टर मौत बाँटने लगें, जब विश्वविद्यालय विचारों के बजाय नफरत के बीज बोने लगें, तो यह किसी देश की सबसे बड़ी विफलता होती है। यह केवल सुरक्षा एजेंसियों का मामला नहीं रह जाता–यह समाज के हर नागरिक, हर शिक्षक, हर माता-पिता की जिम्मेदारी बन जाती है। सवाल यह नहीं कि बम किसने बनाया, बल्कि यह है कि वह विचार किसने बोया जिसने एक शिक्षित

व्यक्ति को आतंकी बना दिया। आतंक को खत्म करने के लिए सिर्फ हथियारों को नष्ट करना पर्याप्त नहीं। असली लड़ाई उस विचारधारा से है जो इंसान को इंसान का दुश्मन बनाती है। जब तक हम उस सोच को नहीं मिटाएँगे जो धर्म, जाति या विचारधारा के नाम पर नफरत फैलाती है, तब तक कोई पुलिस, कोई एजेंसी, कोई तकनीक हमें स्थायी सुरक्षा नहीं दे सकती। लाल किले के पास हुआ यह धमाका हमें यह सिखाता है कि सच्ची सुरक्षा दीवारों या तारों से नहीं, बल्कि सोच की पवित्रता से आती है। हमें अपने बच्चों को केवल डॉक्टर, इंजीनियर या वैज्ञानिक नहीं बनाना है, बल्कि इंसान बनाना है–जो सोच सके, सवाल पूछ सके, और नफरत के खिलाफ खड़ा हो सके। क्योंकि आने वाले समय की सबसे बड़ी जंग बंदूकों से नहीं, विचारों से लड़ी जाएगी और जीत उसी की होगी जो इंसानियत को ज़िंदा रखेगा।

महेन्द्र तिवारी

सूरत-मुंबई वाया अहमदाबाद से मेवाड़ तक ट्रेन सेवा की सख्त जरूरत

प्रवासी राजस्थानी समाज की वर्षों पुरानी मांग

भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई और औद्योगिक शहर सूरत में राजस्थान के लाखों प्रवासी रहते हैं, विशेषकर मेवाड़ क्षेत्र चितौड़गढ़, राजसमंद, उदयपुर, नाथद्वारा, गोगुन्दा, भीलवाड़ा और आसपास के जिलों से। ये प्रवासी न केवल गुजरात और महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं, बल्कि अपने गृहप्रदेश राजस्थान की आर्थिक धारा में भी नियमित रूप से धन भेजकर उसे सशक्त करते हैं। सूरत सिल्क सिटी और डायमंड नगरी के नाम से जानी जाती है।यहां सालाना कपड़ा उधोग और हीरा का खरबो का व्यवसाय होता है।केंद्र सरकार को अरबो रुपये का राजस्व सूरत से मिलता है।सूरत में वर्षो से जैन समाज सहित अन्य जातिवर्ग के लोग उधोग से जुड़े हुए है।इनके लिए बड़ी परेशानी आवागमन की बनी हुई है।मुम्बई ,सूरत ,वाया अहमदाबाद से उदयपुर चितौड़गढ़ के लिए एक भी ट्रेन उपलब्ध नही है।हम समझ सकते है कि आठ लाख प्रवासियों के लिए आवाजाही की कितनी मुश्किलें पैदा होती होगी। फिर भी यह विडंबना ही है कि इतनी बड़ी संख्या में प्रवासी होने के बावजूद सूरत या मुंबई से वाया अहमदाबाद मेवाड़ तक एक भी नियमित ट्रेन सेवा उपलब्ध नहीं है।

मेवाड़ से सूरत-मुंबई का गहरा संबंध

सदियों से मेवाड़ के लोग मेहनती, व्यापारिक और तकनीकी दक्षता के लिए जाने जाते हैं। आज सूरत के वस्त्र उद्योग, डायमंड पॉलिशिंग, और छोटे-बड़े व्यापारों में मेवाड़ियों की गहरी जड़ें हैं। अनुमान है कि सूरत और आसपास के क्षेत्रों में आठ लाख से अधिक राजस्थानी प्रवासी रहते हैं, जिनमें से अधिकांश का मूल निवास चितौड़गढ़, राजसमंद, उदयपुर, बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिलों से है।यह वर्ग त्योहारों, शादियों, धार्मिक आयोजनों और पारिवारिक कारणों से अक्सर अपने गृहजिले जाता है। किंतु यातायात के सीमित विकल्पों के कारण उन्हें भारी आर्थिक और शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ती है

रोज ट्रेन नहीं, केवल बसों का सहारा

वर्तमान में सूरत और मुंबई से मेवाड़ के लिए कोई सीधी ट्रेन नहीं चलती।लोगों को या तो अहमदाबाद, हिम्मतनगर, या उदयपुर तक पहुंचने के लिए अलग-अलग ट्रेनें पकड़नी पड़ती हैं, या फिर निजी बस सेवाओं पर निर्भर रहना पड़ता है।हालांकि साप्ताहिक ट्रेनों का संचालन नाकाफी है।त्योहारों के सीजन में यह बस सेवाएँ ही मेवाड़ तक लोगों को पहुंचाने का मुख्य साधन बनती हैं ।परंतु समस्या यह है कि इन बसों की संख्या लगभग तीन हजार तक पहुँच जाती है, और वे प्रति व्यक्ति 2500 से 3000 रुपये तक किराया वसूलती हैं।एक सामान्य मजदूर या मध्यमवर्गीय परिवार के लिए यह किराया बहुत भारी पड़ता है। वहीं यात्रा में 18 से 20 घंटे तक का समय लगता है, जिसमें आराम, सुरक्षा और भोजन की कोई गारंटी नहीं होती।

रेल सेवा से क्या होगा लाभ. प्रवासी जनता को सुविधा

रोज़गार के सिलसिले में सूरत और मुंबई में रह रहे लाखों प्रवासी राजस्थानी एक सस्ती, सुरक्षित और तेज़ यात्रा सुविधा पा सकेंगे। राजस्थान पर्यटन को प्रोत्साहन मिल रहा है।यदि ट्रेन वाया उदयपुर, राजसमंद और चितौड़गढ़ से गुजरे, तो यह पर्यटकों के लिए भी एक बेहतर मार्ग बनेगा। मेवाड़ के ऐतिहासिक किले, झीलें और मंदिर इस मार्ग को लोकप्रिय बना देंगे। राजस्थान,गुजरात और केंद्र में भाजपा की सरकार होते हुए भी प्रवासियों को इतना बडा लम्बा इंतजार कराया जा रहा है।यह अनुचित है।

सूरत में व्यापार और रोजगार में वृद्धि

रेल सेवा से सामान का आवागमन आसान होगा। सूरत के व्यापारिक केंद्रों और मेवाड़ के हस्तशिल्प-उद्योगों के बीच बेहतर संपर्क बनेगा।

बस ऑपरेटरों की मनमानी पर रोक

ट्रेन शुरू होने से निजी बस संचालकों द्वारा किए जा रहे किराये के शोषण पर अंकुश लगेगा। पर्यावरणीय दृष्टि से लाभदायक है।रेल यात्रा बसों की तुलना में ईंधन की दृष्टि से अधिक किफायती और पर्यावरण-अनुकूल है।

कई बार उठ चुकी है मांग, पर कार्रवाई नहीं

प्रवासी समाज के संगठनों, विशेषकर राजस्थान मेवाड़ प्रवासी समिति सूरत, मेवाड़ ट्रस्ट मुंबई, और उदयपुर विकास मंच द्वारा पिछले कई वर्षों से यह मांग उठाई जा रही है कि मुंबई से वाया अहमदाबाद होकर चितौड़गढ़-उदयपुर के लिए एक दैनिक ट्रेन चलाई जाए।कई बार रेल मंत्री को ज्ञापन भी सौंपे गए हैं। जनप्रतिनिधियों ने संसद में प्रश्न उठाए हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है। रेलवे का तर्क है कि अहमदाबाद से उदयपुर लाइन पर पहले से ही सीमित क्षमता है, और नई ट्रेनों के लिए पथ (path) उपलब्ध नहीं है। लेकिन अब यह कोई समस्या नही है।ब्रॉडगेज लाइन बिछी हुई है।और अहमदाबाद से साप्ताहिक ट्रेन का संचालन भी है।हालांकि, हाल के वर्षों में उदयपुर-अहमदाबाद सेक्शन का विद्युतीकरण और डबल लाइन कार्य लगभग पूरा हो चुका है, इसलिए तकनीकी रूप से अब कोई बड़ी बाधा नहीं रह गई है।

संभावित मार्ग और ट्रेन की जरूरत

सूरत ,भरुच, वडोदरा, अहमदाबाद , हिम्मतनगर उदयपुर चितौड़गढ़ राजसमंद - नाथद्वारा और जोकि गोगुन्दा उदयपुर का समावेश होता है।यह मार्ग गुजरात और राजस्थान के बीच न केवल सामाजिक बल्कि आर्थिक पुल का काम करेगा। रोजाना कम से कम दो ट्रेन चलाने से हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी।

सीजन में बढ़ जाती है मुश्किलें

नवरात्र, दीपावली, होली और गर्मियों की छुट्टियों के समय यह समस्या चरम पर होती है।बस टिकट न मिलने पर लोग ट्रेनों में खड़े होकर, किसी भी तरह सफर करते हैं। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को इस यात्रा में अत्यधिक कठिनाई होती है।त्योहारों पर जब लोग अपने घर पहुंचना चाहते हैं, तो रेल मार्ग का अभाव उन्हें भावनात्मक रूप से भी आहत करता है।

राज्य सरकारों की भूमिका

राजस्थान और गुजरात दोनों सरकारें इस मुद्दे पर एक साझा पहल कर सकती हैं।

यदि दोनों राज्य संयुक्त रूप से रेल मंत्रालय से आग्रह करें, तो रेलवे के लिए यह सेवा शुरू करना संभव होगा।

उदयपुर, चितौड़गढ़ और राजसमंद के सांसदों व विधायकों को भी इस पर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

यह केवल यात्रा की सुविधा नहीं, बल्कि प्रवासी समाज के प्रति संवेदनशीलता का भी प्रतीक होगा।मेवाड़ी समाज जहां भी रहता है, वहाँ उसने विकास की कहानी लिखी है।सूरत, मुंबई, अहमदाबाद और पुणे में

लाखों परिवारों ने अपने व्यवसाय स्थापित किए हैं।वे हर साल अपने गांवों में निवेश करते हैं । घर बनवाते हैं, स्कूलों और मंदिरों को दान देते हैं, समाजसेवा करते हैं।ऐसे लोगों को अपने गृहप्रदेश से जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम रेल सेवा ही हो सकती है।राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से भी प्रवासी मेवाड़ी समाज ने अपील की है।

आर्थिक दृष्टि से भी फायदेमंद

भारतीय रेल के लिए यह नई ट्रेन घाटे का सौदा नहीं होगी।अगर आठ लाख प्रवासियों में से केवल दस प्रतिशत लोग भी महीने में एक बार यात्रा करें, तो यात्री संख्या लाखों में पहुंचेगी। साथ ही इस मार्ग से पर्यटन, व्यापारिक और मालवाहक ट्रेन सेवाओं का विस्तार भी संभव है सरकार से अपेक्षाएँ सर्वेक्षण कर मार्ग की संभाव्यता रिपोर्ट तैयार की जाए। सूरत-मुंबई वाया अहमदाबाद होकर मेवाड़ के लिए दो नई दैनिक ट्रेन की घोषणा की जाए।त्योहारों में विशेष ट्रेनें चलाई जाएँ।प्रवासी समाज के साथ संवाद कर उनकी वास्तविक आवश्यकताओं का आकलन किया जाए। मेवाड़ से सूरत-मुंबई तक ट्रेन सेवा केवल एक यातायात का मुद्दा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, आर्थिक और मानवीय जुड़ाव का प्रतीक है।देश के किसी भी हिस्से में प्रवासी अपनी मेहनत से राष्ट्र का विकास करते हैं।सरकार का दायित्व है कि उन्हें अपने मूल से जोड़ने के लिए बेहतर सुविधाएँ दी जाएँ। आज जब 'विकसित भारत' की दिशा में कदम बढ़ रहे हैं, तब ऐसी मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी प्रवासी समाज को निराश करती है।इसलिए समय आ गया है कि रेल मंत्रालय इस लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करे और सूरत-मुंबई वाया अहमदाबाद से मेवाड़ तक दो नई ट्रेन सेवा आरंभ करे। यह सेवा न केवल लाखों यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगी, बल्कि राज्यों के बीच भावनात्मक और आर्थिक रिश्तों को भी नई मजबूती देगी।

कांतिलाल मांडोत

जनादेश क्या स्वीकार करेगे नेतागण या ठीकरा फिर ठीकरा फोड़ेगे ?

देश को बिहार चुनाव के बाद अब नतीजों का बड़ी बेसब्री से इंतजार है। बिहार चुनाव परिणामों को कुछ ही घंटे बाकी हे ओर सभी राजनीतिक दलों की जनता से अपेक्षा है कि जनादेश उनके पक्ष मे ही आएगा लेकिन चुनाव पूर्व होने वाले सारे एकजीट पोल के नतीजों ने भी बिहार के चुनावों मे एक बार फिर सत्तारूढ़ दल एनडीए को सत्ता मे वापसी दिखाकर तमाम विपक्षी दलों कि धड़कने अभी से बडा दी है। बिहार मे इस बार के चुनाव कई मायनों मे बड़े महत्त्वपूर्ण हे क्युकी बिहार विधानसभा चुनावों से ही देशभर मे मतदाता सूची का परीक्षण कार्य शुरू हुआ हे ओर बिहार मे बड़ी संख्या मे विदेशी घुसपेठियों सहित करीब 65 लाख मतदाताओ को दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाने के चलते मतदाता सूची से बाहर का रास्ता दिखाया गया ओर इस बार चुनावों के दोरान सबसे बड़ी अचरज भरी बात यह रही कि दोनों चरणों मे बिहार मे मतदान का प्रतिशत अप्रत्यक्ष रूप से इस कदर बढ़ा हे कि खुद बिहार के राजनीतिक दल हक्के बक्के है। बहरहाल अब मतगणना की बारी हे लेकिन सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह हे कि बिहार के विकास का वादा करने वाले राजनीतिक दल क्या जनता के जनादेश को स्वीकार कर पायेगे या फिर हर बार कि तरह इस बार भी ईवीएम मशीन, चुनाव आयोग या सत्तारूढ़ दल पर हार का ठीकरा फोड़ेगे ? बकोल देश मे जब कही भी लोकसभा या विधानसभा के चुनाव हुए हे पिछले दो दशक से हारने वाले विपक्षी दलों ने अपनी हार को स्वीकार करने कि बजाय हर बार ईवीएम मशीन, चुनाव आयोग या सत्तारूढ़ दल पर ही चुनाव मे हेराफेरी करने का आरोप मढ़ कर इतिश्री कर ली है जबकि कभी भी वास्तविक धरातल पर जनादेश का विश्वास हासिल नहीं कर पाने की अपनी कमजोरियों ओर कमियों को दूर नहीं किया है। बेशक बिहार की जनता ने मतदान का प्रतिशत बढ़ाकर यह साफ संकेत दे दिए हे कि इक्कीसवी सदी के बिहार के नए मतदाता ने जातपात, भय, भूख या बंदूक के बूते डर कर मतदान करने वाले नहीं हे बल्कि वह अपना अपने बिहार का बेहतर भविष्य बनाने वाले नेताओ को चुनने का मन बना चुकी थी जिसकी परिणिती बिहार मे बम्पर मतदान हुआ है।

वर्तमान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए यह बिहार चुनाव आखिरी विदाई भी हे लेकिन बिहारी खासकर युवा तबके के लोग उनसे नाराज है। क्युकी सुशासन बाबू का तमंगा धारे नीतीश बाबू मुख्यमंत्री की चाह मे बिहार के विकास की बजाय सत्ता के लिए अपने ध्रुव विरोधियों से भी समझोत करने से हिचके नहीं हे जिसके चलते बिहार उनके 9 बार मुख्यमंत्री रहते भी विकास कि दोड़ मे पिछड़ा हुआ ही है। यह चुनाव महागठबंधन के प्रमुख ओर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव का भविष्य भी तय करेंगे कि जनता ने उन्हें उनके पिता के जंगलराज कि छवि मुक्त कर उनमे नए युग के बिहारियों के लिए कुछ करने का माद्दा देखा है। अब बिहार कि जनता बिहार की मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नया चेहरा देखना चाहती है। निसंदेह बिहार के चुनाव की बम्पर वोटिंग को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ओर विपक्षी नेता तेजस्वी यादव की बांछें खिली हुई है। बिहार के दोनों ही प्रमुख नेता जिस शिद्दत से जीत का दावा कर रहे हे लेकिन क्या उसी शिद्दत से यह विपरीत जनादेश को स्वीकार करेंगे या फिर ईवीएम,चुनाव आयोग या फिर केंद्र सरकार ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी हार के लिए जिम्मेदार ठहराएंगे ! देश बिहार के जनादेश पर निगाहे लगाए बेठा हे उम्मीद हे बिहार का जनादेश सभी राजनीतिक दल वेचारिक विरोधों से ऊपर उठकर किसी पर ठीकरा फोड़ने की बजाय खुले मन से स्वीकार करेगे !

अरविन्द रावल

संपादकीय

निठारी कांड के निर्णय पर गूंजते सवाल

निठारी हत्याकांड के दोषी ठहराए गए सुरेंद्र कोली को सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह बेहद दुख की बात है कि लंबी जांच के बावजूद निठारी के जघन्य हत्याकांड के असली अपराधी की पहचान कानूनी मानकों के अनुरूप स्थापित नहीं हो पाई। अपराध जघन्य थे और परिवारों की पीड़ा अथाह थी। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा के निठारी हत्याकांड से जुड़े अंतिम लंबित मामले में सुरेंद्र कोली को बरी करते हुए यह टिप्पणी की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने फैसले में कहा, आपराधिक कानून अनुमान या पूर्वधारणा के आधार पर दोषसिद्धि की अनुमति नहीं देता। खुदाई शुरू होने से पहले घटनास्थल को सुरक्षित नहीं किया गया था, खुलासे को उसी समय दर्ज नहीं किया गया। रिमांड दस्तावेज में विरोधाभासी विवरण थे और कोली को समय पर अदालत की ओर से निर्देशित चिकित्सा जांच के बिना लंबे समय तक हिरासत में रखा गया। अदालत ने कोली की सजा को रद्द करते हुए कहा कि अगर वह किसी और मामले में वांछित नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। यह फैसला उन परिवारों और कानूनी हलकों के लिए अहम है, जो पिछले 18 वर्षों से इस मामले पर नजर रखे हुए थे। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि अभियोजन पक्ष सुरेंद्र कोली के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश नहीं कर पाया।

अदालत ने माना कि जांच के दौरान कई गंभीर प्रक्रियागत खामियां रहीं, इसके चलते दोषसिद्धि बरकरार नहीं रखी जा सकती। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर उम्रकैद या फांसी नहीं दी जा सकती। इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के नोएडा के चर्चित निठारी कांड के 12 केस के आरोपी सुरेंद्र कोली और दो केस में फंसी की सजा पाए कोठी डीएस-5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को भी ने बरी कर दिया है। न्यायालय ने इन्हें दोष मुक्त तो करार दे दिया, किंतु ये न्याय एक तरफा है। अधूरा है। निठारी कांड तो हुआ है। चर्चित निठारी कांड में निचली अदालत से कोली को एक दर्जन से अधिक मामलों में फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। निठारी गांव के कोठी डीएस-5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को दो केस में फंसी की सजा हो चुकी है। अब जब की ये निचली अदालत से फांसी की सजा पाए ये दोनों आरोपी हाईकोर्ट ने बरी कर दिए तो व्यवस्था को यह तो बताना ही होगा कि फिर इस कांड के आरोपी कौन हैं? किसने इस कांड की 19 घटनाओं को अंजाम दिया। कांड तो हुआ ही है। ये दोनों आरोपी इसलिए बरी हो गए कि इनके विरूद्ध सुबूत नही थे, किंतु पीड़ित परिवार को भी तो न्याय चाहिए। उनके परिवार की युवतियों, बेटियों और बच्चों पर जुल्म करने वाला, उनसे व्यभिचार कर उन्हें काटकर खाने वाला कोई तो होगा? किसी ने तो ये कांड किया होगा? उसे कानून की जद में लाकर सजा कौन दिलाएगा? ये निर्दोष थे तो फिर इनकी कोठी के पास नाले में किसने मारकर इनको डाला? 29 दिसंबर 2006 को नोएडा में मोनिंदर सिंह पंढेर के घर के पीछे नाले से 19 बच्चों और महिलाओं के कंकाल मिले। मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली गिरफ्तार किया। आठ फरवरी 2007 को कोली और पंढेर को 14 दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा गया। मई 2007 को सीबीआई ने पंढेर को अपनी चार्जशीट में अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोप मुक्त कर दिया था। दो माह बाद अदालत की फटकार के बाद सीबीआई ने उसे मामले में सह अभियुक्त बनाया। 13 फरवरी 2009 को विशेष अदालत ने पंढेर और कोली को 15 वर्षीय किशोरी के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या का दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। ये पहला फैसला था। इसके बाद 11 केस में दोनों को सजा हुई। पुलिस ने इस मामले में कहा था कि कम से कम 19 युवा महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया था, उनकी हत्या कर दी गई थी और उनके शवों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए थे। पुलिस ने उस समय कहा था कि ये हत्याएं पंढेर के घर के अंदर हुई थीं, जहां कोली नौकर के तौर पर काम करते थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि जिन बच्चों के अवशेष बैग में छिपे हुए पाए गए थे, उन्हें कोली ने मिठाई और चॉकलेट देकर लालच देकर मार डाला था।पुलिस का कहना था कि जांच के दौरान कोली ने नरभक्षण और नेक्रोफिलिया (शवों के साथ संबंध बनाने) की बात कबूल की थी। बाद में उन्होंने अदालत में अपना कबूलनामा ये कहते हुए वापस ले लिया कि उनसे जबरन ये बयान दिलवाया गया था। सीबीआई ने सुरेंदर कोली और पंढेर के खिलाफ़ 19 मामले दर्ज किए थे। जहां कोली पर हत्या, अपहरण, बलात्कार, सबूतों को मिटाने जैसे आरोप थे तो वहीं पंढेर पर अनैतिक तस्करी का आरोप था। इस मामले की गूंज कई सालों तक देश गूंजती रही थी। लोगों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने के आरोप लगाए थे। स्थानीय लोगों ने उस समय कहा था कि पुलिस इस मामले में इसलिए भी कार्रवाई नहीं कर सकी क्योंकि लापता होने वालों में से अधिकतर गरीब परिवार के थे। न्यायालय ने निर्णय में ये माना कि आरोपियों के विरूद्ध सबूत नही हैं। न्यायालय ने ये नही कहा कि कांड हुआ ही नही। उसने माना कि कांड तो हुआ। 19 महिलाओं और बच्चियों के कंकाल कोठी डीएस-5 के सामने नाले से मिले। अब प्रश्न यह है कि ये नही तो किसी और ने ये कांड किया है। जिसने कांड किया उसे सजा दिलाने की किसकी जिम्मेदारी है? किंतु लगता है कि न्यायालय ने इस केस के आरोपी के बरी हो जाने के बाद ये केस व्यवस्था की कबाड़ की फाइल में चला जाएगा। 2006 से न्याय की आशा में बैठे पीडित परिवार को रो पीट कर चुप हो बैठना पड़ेगा । इस निर्णय के बाद पीड़ितों के माता पिता और परिवार वालों का दुख और गहरा हो गया। अपनों को खोने वालों ने कहा कि 19 साल बाद भी हम लोगों को न्याय नहीं मिला। निठारी कांड में अपने बच्चों को खोने वाले पैरेंट्स का लगभग एक ही सवाल है कि अगर पंढ़ेर और कोली निर्दोष हैं तो उनके बच्चों को किसने मारा है? एक बात और हाईकोर्ट ने कहा कि शवों की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जांच नही हुई। ये रिपोर्ट मानव तस्करी की और इशारा कर रही थी।

दोनों न्यायधीश ने जांच पर नाखुशी जताते हुए ये भी कहा कि जांच बेहद खराब है। सुबूत जुटाने की मौलिक प्रक्रिया का पूरी तरह उल्लंघन किया गया। जांच एसेंसियों की नाकामी जनता के विश्वास के साथ धोखा है। हाईकोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसियों ने अंग व्यापार के गंभीर पहलुओं की जांच किए बिना एक गरीब नौकर को खलनायक की तरह पेश किया। हाईकोर्ट ने माना कि ऐसी गंभीर चूक के कारण मिलीभगत सहित कई गंभीर निष्कर्ष संभव है। हाईकोर्ट ने यह भी माना कि दोनों आरोपियों के खिलाफ कोई सुबूत नही हैं। सुबूत के अभाव में दोनों आरोपियों को लगभग 19 साल जेल में रहना पड़ा। अकारण जेल में बिताए इनके इन सालों के लिए कौन जिम्मेदार है? इस केस में शुरूआत से ही पुलिस पर आरोप लगते रहते हैं कि वह इस मामले में रूचि नही ले रही।उसीके बाद मामला सीबीआई को गया। अब सीबीआई की जांच पर भी सवाल उठा है तो सीबीआई को अपनी जांच और प्रक्रिया पर भी सोचना और बदलाव करना होगा। क्योंकि देश में उसका बहुत सम्मान है। प्रत्येक प्रकार के टिपिकल मामले में उसी से जांच कराने की बात आती है। अब उसकी भी जांच ऐसी ही निम्न स्तरीय होगी,तो फिर उसे सोचना तो होगा ही।

अशोक मधुप

चीनी से नहीं, संयम से बनती है जीवन की मिठास

हर मीठे कौर के पीछे छिपी कड़वी सीख

आधुनिकता के शोर में स्वास्थ्य की धीमी पुकार

जब स्वाद ने विवेक को परास्त कर दिया, जब कृत्रिम मिठास ने मनुष्य की सहज मितव्ययता को निगल लिया, और जब तरक्की की अंधी दौड़ में इंसान अपने ही शरीर से पीछे छूट गया – तब जन्म हुई एक मौन, पर गहरी महामारी, जिसका नाम है मधुमेह। यह कोई साधारण रोग नहीं, बल्कि एक चेतावनी है – उस असंतुलित जीवनशैली की, जिसे हमने आधुनिकता के नाम पर स्वयं गढ़ लिया है। विश्व मधुमेह दिवस, जो हर वर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है, हमें यही याद दिलाने आता है कि जीवन की असली मिठास चीनी के स्वाद में नहीं, बल्कि संयम और संतुलन में छिपी है। आज का मनुष्य विज्ञान की ऊँचाइयों को छू चुका है, पर अपने भीतर की लय और स्थिरता खो चुका है। सूरज अब खिड़कियों से नहीं, मोबाइल स्क्रीन की चमक से उगता है। एक स्पर्श पर स्वाद, सुविधा और सफलता सब मिल जाता है – पर उसी स्पर्श ने हमसे हमारी सादगी, सक्रियता और सहजता छीन ली है। यह वह युग है जहाँ 'समय नहीं है' सबसे आसान बहाना बन गया है, और 'स्वास्थ्य' सबसे महँगी कीमत। मधुमेह कोई अचानक आने वाला तूफान नहीं, यह हमारी रोज़मर्रा की अनदेखियों का संचय है – सुबह की सैर को नींद से बदल देना, तली-भुनी चीज़ों के सामने आत्मसंयम खो देना, मीठे पेयों की लत में पोषण भूल जाना, और मन को चिंता के जाल में उलझाए रखना। ये छोटी लापरवाहियाँ मिलकर हमारे भीतर एक अदृश्य दुश्मन तैयार करती हैं। धीरे-धीरे यह रोग हमारे शरीर के हर कोने में जड़ें जमाता है – आँखों की रौशनी को धुंधला करता है, दिल की धड़कनों को कमजोर करता है, और जीवन की ऊर्जा को धीरे-धीरे सोख लेता है। इसकी सबसे खतरनाक बात यही है – यह दिखता नहीं, पर हर दिन हमें भीतर से खोखला करता जाता है। विश्व मधुमेह दिवस कोई औपचारिक दिन नहीं, यह आत्म-जागरण का उत्सव है – वह क्षण जब मनुष्य को रुककर स्वयं से प्रश्न करना चाहिए कि क्या हमने अपने शरीर को उतनी प्राथमिकता दी है जितनी अपने मोबाइल, गाड़ियों, अपनी महत्वाकांक्षाओं और अपने विलास को देते हैं? हम अपने मोबाइल की बैटरी के प्रतिशत तक चिंतित रहते हैं, पर शरीर की ऊर्जा के घटते प्रतिशत की परवाह नहीं करते। हम गाड़ियों की सर्विस समय पर कराते हैं, पर अपने जीवन की गति पर कभी विराम नहीं लगाते। हम दूसरों के संदेश तुरंत पढ़ते हैं, पर अपने शरीर के मौन संकेतों को अनसुना कर देते हैं। और जब शरीर थककर विरोध करता है – तब हम उसे बीमारी का नाम दे देते हैं। इस दिन का उद्देश्य भय नहीं, प्रबोधन है। यह हमें सिखाता है कि मधुमेह से जंग दवाइयों से नहीं, दृष्टिकोण से जीती जाती है। यह परिवर्तन की शुरुआत है – उस सोच की, जो कहती है कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है, और हर निवाला, हर सांस, एक जिम्मेदारी है। यदि हम थोड़ी-सी सजगता, थोड़ी-सी अनुशासन, और थोड़ी-सी करुणा अपने जीवन में जोड़ लें – समय पर भोजन करें, शरीर को गति दें, मन को शांति दें और तनाव को सीमित करें – तो मधुमेह जैसी बीमारी केवल शब्द रह जाएगी, वास्तविकता नहीं। आज यह रोग बचपन की चौखट तक पहुँच चुका है – यह कोई आंकड़ा नहीं, बल्कि चेतावनी है कि हमारी जीवनशैली की नींव हिल चुकी है। अब समय है कि हम समाज की प्राथमिकताएँ पुनः निर्धारित करें। विद्यालयों में स्वास्थ्य शिक्षा को ज्ञान की तरह नहीं, आदत की तरह सिखाया जाए; घरों में भोजन स्वाद से अधिक पोषण का माध्यम बने; और बच्चों को खेल केवल समय काटने का साधन नहीं, जीवन गढ़ने का उपाय

समझाया जाए। मधुमेह हमें एक अत्यंत गूढ़ सत्य सिखाता है – 'संयम ही वास्तविक स्वतंत्रता है।' जो व्यक्ति अपने स्वाद पर नियंत्रण रखता है, अपनी आदतों का स्वामी बनता है और अपने समय का मूल्य समझता है, वही सच में स्वतंत्र कहलाने योग्य है। स्वास्थ्य केवल शरीर की अवस्था नहीं, यह मन, मस्तिष्क और निर्णयों का सामंजस्य है। यह डॉक्टर की रिपोर्टों में नहीं, बल्कि हमारे रोज़मर्रा के छोटे-छोटे चुनावों में झलकता है – चाहे वह प्लेट में रखा भोजन हो, नींद और विश्राम का समय हो, या सुबह की ताज़ी हवा में उठने का निर्णय। इस विश्व मधुमेह दिवस पर, हमें केवल 'जानकारी' नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का दीप जलाना होगा। यह वह क्षण है जब हम स्वयं से एक सच्चा संकल्प लें कि हम अपने शरीर को केवल साधन नहीं, जीवन का मंदिर मानेंगे। हम उस मिठास को समझेंगे जो चीनी में नहीं, बल्कि एक स्थिर मन, स्वस्थ सांसों और संतुलित जीवन में बसती है। क्योंकि असली मिठास वही है, जो जीवन को मधुर बनाए, न कि उसे चुपचाप कम करती जाए। अंततः, जीवन का मूल्य उसकी लंबाई में नहीं, उसकी सजगता और सार्थकता में निहित है। मधुमेह हमें भय नहीं देता, बल्कि जागृति का निमंत्रण देता है। यह कहता है – उठो, अपने भीतर की लय को फिर से सुनो, अपने शरीर की पुकार को पहचानो। क्योंकि जब मन और शरीर एक लय में झूमते हैं, तब जीवन केवल चलता नहीं – खिलता है, दमकता है और सच में मीठा हो जाता है।

प्रो. आरके जैन

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

चोरों ने सब्जी विक्रेता महिला के कमरे से 30 हजार नगदी उड़ाई

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के आजाद नगर मोहल्ला में बुधवार की शाम को एक महिला के कमरे से अज्ञात चोरों ने तीस हजार नगद उड़ा लिए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। सुनीता पत्नी संतोष मोहल्ले के गीता प्रसाद मिश्रा के यहां किराए पर रहती है। वह मेन रोड पर तेजगांव कम्प्लेक्स परिसर के निकट सब्जी बेचती हैं। बुधवार की शाम करीब सात बजे जब सब्जी बेंच कर घर लौटी तो कमरे का दरवाजा खुला मिला। अंदर जाकर देखा तो दरवाजे की कुंडी टूटी हुई थी। कमरे में रखें बक्शे खुले पड़े थे और सामान बिखरा हुआ था। अज्ञात चोर बक्से में रखे 30 हजार रूपये नगद चोरी कर ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले में मकान में रह रहे अन्य किराएदारों से पूँछ ताछ शुरू कर दी है।

न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल में बाल दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया

लालगंज, रायबरेली न्यू स्टैण्डर्ड पब्लिक स्कूल में बाल दिवस बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर बच्चों के सम्मान और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए विद्यालय में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आज अध्यापकों के द्वारा प्रार्थना सभा के आयोजन के साथ हुई। इसके पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवांग अवस्थी द्वारा पंडित नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन किया गया। इसके बाद बच्चों ने एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। इनमें देशभक्ति गीत गायन ,नृत्य,कविता पाठ, और खेलकूद प्रतियोगिताएं शामिल रही। बच्चों की प्रतिभा देखकर शिक्षक एवं अभिभावक बेहद उत्साहित दिखाई दिए प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि 'बच्चे हमारे भविष्य का आधार हैं। उनका उज्ज्वल कल सुनिश्चित करना हमारा पहला कर्तव्य है। बाल दिवस हमें बच्चों के अधिकार, शिक्षा और खुशियों की ओर सजग रहने की प्रेरणा देता है। उक्त कार्यक्रम के अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एस एस पब्लिक स्कूल बीकेटी में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस

बीकेटी बख्शी का तालाब के हेमी स्थित एस एस पब्लिक स्कूल में प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर बाल दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही विद्यालय परिसर में नन्हे बच्चों की मुस्कान और रंग-बिरंगी गतिविधियों से उत्साहपूर्ण माहौल में बदल चुका था। स्कूल में विद्यार्थियों के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रांगण में आयोजित बाल मेले में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मेले का मुख्य आकर्षण रहा विद्यार्थियों द्वारा स्वयं संचालित छोटी-छोटी दुकानें, जिनमें खाने-पीने की वस्तुएं, खिलौने और आकर्षक चहल-पहल देखने को मिली।

बच्चों ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए मेले को एक उत्सव का रूप दे दिया। मेले में लगाए गए विभिन्न झूले, खेल और गतिविधियों ने बच्चों में बाल दिवस की खुशियों को दोगुना कर दिया। कार्यक्रम में समाज सेवी अनिल सिंह चौहान,एस एस ग्रुप ऑफ इंटीट्यूट के चेयरमैन प्रवीण सिंह चौहान सहित शिक्षक-शिक्षिकाएँ और समस्त स्टाफ मौजूद रहे। प्रवीण सिंह चौहान ने सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और बच्चों ने पूरे दिन उल्लास के साथ बाल दिवस मनाया।

वरिष्ठ पत्रकार मुकेश द्विवेदी पर हुए जानलेवा हमले की जांच तेज, पुलिस खुलासे के बेहद करीब

● .....संदिग्धों से पूछताछ जारी, हाईवे से बीसीसी हाइट्स तक पूरी रूट मैपिंग- पुलिस ने बताया जल्द सामने आएंगे हमलावर।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज/लखनऊ। रायबरेली हाईवे पर पत्रकार एवं समाजसेवी मुकेश कुमार द्विवेदी पर हुए जानलेवा हमले की जांच को मोहनलालगंज पुलिस ने शुक्रवार को और अधिक तेज कर दिया है। हाईवे और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों से मिले महत्वपूर्ण फुटेज ने पुलिस को निर्णयात्मक स्थिति में पहुंचा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस ने सुबह से ही कई टीमों को सक्रिय कर दिया था, जिन्होंने हाईवे से लेकर बीसीसी हाइट्स तक पूरी रूट मैपिंग को दोबारा खंगाला। इस दौरान यह स्पष्ट हुआ कि काली थार, सफेद सफारी और एक अन्य कार घटना से पहले ही वृंदावन क्षेत्र से पत्रकार की स्कॉर्पियो का पीछा कर रही थीं। गाड़ियों की मूवमेंट, हमलावरों की गतिविधियाँ और उनके लगातार पीछा करने की लोकेशन फुटेज में साफ दिखाई दी हैं, जिनके आधार पर पुलिस कई अहम बिंदुओं को जोड़ने में सफल हुई है।

सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने शुक्रवार को कई संदिग्धों को हिरासत में भी लिया और उनसे घंटों तक पूछताछ की। पूछताछ के दौरान ऐसे कई महत्वपूर्ण विवरण सामने आए हैं जिनसे पुलिस आरोपियों के काफी करीब पहुंच चुकी है। कुछ ठिकानों पर दबिशें भी बढ़ा दी गई हैं ताकि कोई भी संदिग्ध इलाके से फरार न हो सके।

इसी बीच, पीड़ित पत्रकार मुकेश द्विवेदी ने भी हमलावरों की गाड़ियों के रंग, गति, पीछा करने के अंदाज और घटनाक्रम से जुड़ी नई जानकारी पुलिस को उपलब्ध कराई है। पुलिस इन सभी इनपुट को तकनीकी साक्ष्यों से मिलान कर जांच को अंतिम चरण में पहुंचा रही है।

हमले की घटना के बाद स्थानीय लोगों में फैले भय और असुरक्षा के माहौल को देखते हुए पुलिस ने बीसीसी हाइट्स और आसपास के इलाकों में गश्त बढ़ा दी है। देर रात तक कई स्थानों पर चेकिंग अभियान भी चलाया गया, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। इसी बीच, किसान नेता अनमोल तिवारी द्वारा दी गई 24 घंटे की चेतावनी ने भी मामले में पुलिस पर दबाव बढ़ा दिया है। तिवारी ने साफ कहा है कि यदि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया तो क्षेत्र में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि जांच में कई क्लू आपस में मेल खा रहे हैं और खुलासा किसी भी वक्त किया जा सकता है। क्षेत्र की निगाहें अब पूरी तरह पुलिस की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं, क्योंकि मामला निर्णायक मोड़ पर पहुँच चुका है।

श्रीराम की बाल लीलाओं ने श्रोताओं को किया भावविभोर

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के नई बाजार मोहल्ला स्थित श्री संस्कृत विद्यालय परिसर में चल रही मानस मंदाकिनी श्रीराम कथा में बृहस्पतिवार को अयोध्या धाम से पधारी कथा व्यास नीशू भारद्वाज गोपी जी ने प्रभु श्रीराम की बाल लीलाओं का मनमोहक वर्णन किया। कथा सुनकर श्रद्धालु भक्ति भाव में सराबोर हो गए। कथा व्यास ने बाल लीला का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि जब नन्हे श्रीराम रोते थे तो माता कौशल्या उन्हें शांत कराने के लिए घंटी और शंख बजाया करती थीं। लेकिन श्रीराम हर बार तभी मुस्कराते जब उनके कानों में राम राम का नाम गूंजता। कथा व्यास ने कहा कि प्रभु राम की लीला हमें यह सिखाती है कि प्रभु सर्वव्यापी हैं। वे कण-कण में विद्यमान हैं। कथा के दौरान पूरा परिसर जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं की आंखें भक्ति से नम हो गईं। इस अवसर पर पूर्व विधायक अशोक कुमार सिंह, प्रो. अरुण कुमार सिंह मुन्ना, एसएन सिंह, अवनेंद्र बहादुर सिंह, महेश प्रसाद शर्मा, सुखेंद्र बहादुर सिंह, महेश शर्मा, दीपचंद गुप्ता, मृत्युंजय, विवेक शर्मा, विशाल और प्रतीक सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज महराजगंज में आयोजित हुआ बाल मेले का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज महराजगंज में शुक्रवार को बाल दिवस के मौके पर आयोजित कैरियर पंख मेले में छात्राओं को शैक्षणिक, मेडिकल और इंजीनियरिंग, पुलिसिंग, डिजिटल मार्केटिंग, पर्यटन, नर्सिंग, फार्मेसी, क्राफ्टकला, शिल्पकला, टेक्नीशियन, और औद्योगिक इकाइयों में रोजगार पाने के अवसर बताए गए।

उपजिलाधिकारी गौतम सिंह ने करियर मेले का उद्घाटन किया। स्कूल की प्रधानाचार्य अनीता सिंह के निर्देशन में विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने छात्राओं को डिजिटल मार्केटिंग एवं विकास से जुड़े रोजगारों की जानकारी साझा की। छात्राओं को रोजगार परक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग ,डी फार्मा, लैब टेक्नीशियन, शिल्प क्राफ्ट व सहित अन्य दर्जनों पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई। बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा महराजगंज के प्रबंधक अर्शेंद्र कुमार, उपजिलाधिकारी गौतम सिंह, थाना प्रभारी जगदीश यादव, पूर्व ब्लाक प्रमुख सत्येन्द्र प्रताप सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी राम मिलन यादव आदि ने रोजगार से जुड़े विभिन्न पाठ्यक्रम साझा किये। उपजिलाधिकारी गौतम सिंह ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि तकनीकी युग में प्राप्त ज्ञान का पूरा उपयोग करें। करियर के शिखर पर पहुंच कर नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि अभावों में ही प्रतिभाएं पलती हैं, इसलिए परिस्थितियां जो भी हों वे सब कुछ हासिल कर सकती हैं। इस मौके पर कैरियर पंख मेले की नोडल श्री किश्वर जहां, सुधा कनौजिया, नाजिश बानो, प्राची शुक्ला, रुपा रानी गुप्ता, रामानुज सिंह, लक्ष्मी गुप्ता, दुर्गेश कुमार सहित सैकड़ों छात्राएं व दर्जनों अभिभावक मौजूद रहे।

सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150 वी जयंती पर एकता पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब

● बुल्डोजर में चढ़कर यात्रा में शामिल कार्यकताओं पर पुष्प वर्षा

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यकर्ता चन्द्र प्रकाश पाण्डेय ने किया

विशाल पदयात्रा पूर्व विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में निकाली गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर गुरुवार को बेहटा चौराहा से विशाल एकता पदयात्रा निकाली गई। क्षेत्र के हजारों लोग तिरंगा ध्वज लेकर भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय श्रीराम के नारे लगाते हुए शामिल हुए।पदयात्रा का नेतृत्व पूर्व विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह और भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री वैभव सिंह ने किया। रास्ते में मलपुरा, धन्नीपुर और शाहपुर सहित कई स्थानों पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।यात्रा का समापन बेहटा कला गांव में हुई विशाल जनसभा के साथ हुआ, जिसमें भारी भीड़ उमड़ी।सभा को संबोधित करते हुए वैभव सिंह ने कहा कि सरदार पटेल ने आजादी के बाद देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में ऐतिहासिक योगदान दिया। भाजपा सरकार उनके 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के सपने को साकार कर रही है।पूर्व विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने पटेल के विचारों को आगे बढ़ाते हुए जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने जैसा ऐतिहासिक कदम उठाया है। उन्होंने विपक्ष पर समाज में जातिवाद फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा विकास व एकता की राजनीति करती रहेगी।कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यकर्ता चंद्र प्रकाश पांडेय ने किया। सभा में जिलाध्यक्ष बुद्धीलाल पासी, राजा राकेश प्रताप सिंह, बृजेश दत्त गौड़, रामदेव पाल, शिवराम रावत, मनोज अवस्थी, राजेश निर्मल, अनूप पांडेय, शानू बाजपेई, मयंक त्रिवेदी, शरद सिंह, सतेन्द्र सिंह, सुनील मिश्रा, अखिलेश बाजपेई, शीतला सविता, जयशंकर चौधरी, रिंकू बाजपेई,सहित अनेक भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कम्पोजिट विद्यालय लेदवा में बाल दिवस पर याद किये गये प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू

सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र शोहरतगढ़ के कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेदवा में शुक्रवार को बाल दिवस पर देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को शिक्षकों व बच्चों ने याद करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। ग्राम प्रधान शौकी लाल के साथ शिक्षकों व बच्चों ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके जीवन के बारे में चर्चा किया। विद्यालय के राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक मुस्तन शेरुल्लाह ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवनी के बारे में बच्चों को विस्तार से जानकारी दी। बच्चों को बीच मिष्ठान का वितरण भी किया गया। इस दौरान प्रभारी प्रधानाध्यापक अमरेश कुमार, मनमोहन, पवन कुमार, राकेश कुमार, सिद्धार्थ कुमार, राकेश कुमार राज, रेनू मद्धेशिया सहित विद्यालय के भारी संख्या में छात्र व छात्राएं मौजूद रहे।

सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150 वी जयंती पर एकता पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब

● बुल्डोजर में चढ़कर यात्रा में शामिल कार्यकताओं पर पुष्प वर्षा

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यकर्ता चन्द्र प्रकाश पाण्डेय ने किया

विशाल पदयात्रा पूर्व विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में निकाली गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर गुरुवार को बेहटा चौराहा से विशाल एकता पदयात्रा निकाली गई। क्षेत्र के हजारों लोग तिरंगा ध्वज लेकर भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय श्रीराम के नारे लगाते हुए शामिल हुए।पदयात्रा का नेतृत्व पूर्व विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह और भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री वैभव सिंह ने किया। रास्ते में मलपुरा, धन्नीपुर और शाहपुर सहित कई स्थानों पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।यात्रा का समापन बेहटा कला गांव में हुई विशाल जनसभा के साथ हुआ, जिसमें भारी भीड़ उमड़ी।सभा को संबोधित करते हुए वैभव सिंह ने कहा कि सरदार पटेल ने आजादी के बाद देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में ऐतिहासिक योगदान दिया। भाजपा सरकार उनके 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के सपने को साकार कर रही है।पूर्व विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने पटेल के विचारों को आगे बढ़ाते हुए जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने जैसा ऐतिहासिक कदम उठाया है। उन्होंने विपक्ष पर समाज में जातिवाद फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा विकास व एकता की राजनीति करती रहेगी।कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यकर्ता चंद्र प्रकाश पांडेय ने किया। सभा में जिलाध्यक्ष बुद्धीलाल पासी, राजा राकेश प्रताप सिंह, बृजेश दत्त गौड़, रामदेव पाल, शिवराम रावत, मनोज अवस्थी, राजेश निर्मल, अनूप पांडेय, शानू बाजपेई, मयंक त्रिवेदी, शरद सिंह, सतेन्द्र सिंह, सुनील मिश्रा, अखिलेश बाजपेई, शीतला सविता, जयशंकर चौधरी, रिंकू बाजपेई,सहित अनेक भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विपक्ष पर समाज में जातिवाद फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा विकास व एकता की राजनीति करती रहेगी।कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यकर्ता चंद्र प्रकाश पांडेय ने किया। सभा में जिलाध्यक्ष बुद्धीलाल पासी, राजा राकेश प्रताप सिंह, बृजेश दत्त गौड़, रामदेव पाल, शिवराम रावत, मनोज अवस्थी, राजेश निर्मल, अनूप पांडेय, शानू बाजपेई, मयंक त्रिवेदी,शरद सिंह, सतेन्द्र सिंह, सुनील मिश्रा, अखिलेश बाजपेई, शीतला सविता, जयशंकर चौधरी, रिंकू बाजपेई, सहित अनेक भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मंत्री डॉ. संजय कुमार ने एनडीए कार्यकर्ताओं, मतदाताओं और सभी सहयोगियों को बिहार में चुनाव की जीत के लिए दी हार्दिक बधाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय अध्यक्ष,निषाद पार्टी व कैबिनेट मंत्री, मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार ने डॉ. संजय कुमार निषाद ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम के बारे में कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच, राष्ट्रहित में उनके समर्पण तथा विकासोन्मुख नीतियों की ऐतिहासिक जीत हैं। यह स्पष्ट संदेश है कि देश प्रधानमंत्री के नेतृत्व और सुशासन पर पूरा विश्वास रखता है। गृहमंत्री अमित शाह की प्रभावी रणनीति ने एनडीए को और अधिक मजबूत बनाया है। बिहार की यह विजय केवल शुरुआत है- आने वाले समय में बंगाल, पंजाब, तमिलनाडु सहित अनेक राज्यों में एनडीए प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगा। मंत्री ने बिहार की जनता को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने एक बार फिर जंगलराज को लौटने से रोक दिया। विपक्ष की नीतियाँ कभी भी जनता के हित में नहीं रही हैं, और जनता ने विकास, सुरक्षा तथा स्थिर शासन के पक्ष में स्पष्ट जनादेश दिया है। मत्स्य मंत्री ने मछुआ समाज के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया कि उन्होंने किसी भी भ्रम या झांसे में आए बिना, प्रधानमंत्री मोदी के विकास मॉडल तथा एनडीए की नीतियों पर विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ही नहीं, बिहार में भी केंद्रीय मत्स्य विभाग की योजनाओं के माध्यम से मछुआ समाज का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित है। मत्स्य मंत्री ने एनडीए कार्यकर्ताओं, मतदाताओं और सभी सहयोगियों को इस ऐतिहासिक जीत के लिए हार्दिक बधाई दी।

एडीएम ने धान क्रय केन्द्रों का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ ने जिला खरीद अधिकारी एवं जिला खाद्य विपणन अधिकारी सोनी गुप्ता के साथ आज मण्डी समिति रायबरेली में स्थापित/संचालित 09 धान क्रय केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मण्डी समिति में संचालित धान क्रय केन्द्रों पर किसानों की धान खरीद का कार्य प्रारम्भ पाया गया। उन्होंने सभी केन्द्र प्रभारियों को निर्देश दिये कि अधिक से अधिक किसानों से सम्पर्क स्थापित करते हुये मानक के अनुरूप धान की तौल ससमय सुनिश्चित करायी जाये। किसी भी दशा में किसानों को केन्द्रों से वापस न किया जाये।

अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/जिला खरीद अधिकारी द्वारा रैण्डम आधार पर अपने धान का विक्रय कर चुके कृषकों से दूरभाष पर वार्ता की गयी, जिसमें कृषकों द्वारा अपना धान केन्द्र पर बेचे जाने तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ प्राप्त होने की पुष्टि की गयी। उन्होंने मण्डी समिति रायबरेली में भारतीय खाद्य निगम के स्थापित क्रय केन्द्र रायबरेली मण्डी के केन्द्र प्रभारी को निर्देशित किया गया कि बैनर पर केन्द्र प्रभारी का नाम व धान की उत्पादकता का विवरण अंकित करायें। उन्होंने सभी मण्डी सचिवों को मण्डी परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के कड़े निर्देश दिये गये।

सभी क्षेत्रीय विपणन अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपनी तहसील में स्थापित धान क्रय केन्द्रों का निरीक्षण करते हुये नियमानुसार खरीद कराना सुनिश्चित करें। सभी क्रय केन्द्र प्रभारियों को धान खरीद हेतु समस्त अभिलेखों की जांच करते हुये खरीद किये जाने तथा कृषक के नॉमिनी के आधार कार्ड की एक प्रति सुरक्षित रखने के निर्देश दिये गये। जिला खाद विपणन अधिकारी ने बताया कि जनपद में अबतक 92 क्रय केन्द्रों पर कुल 567 कृषकों से 2896.13 मी0टन की धान खरीद हो चुकी है तथा 9913 कृषक पंजीकरण हो चुके हैं। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत जनपद रायबरेली में किसानों से धान क्रय का कार्य 01 नवम्बर, 2025 से प्रारम्भ है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत भारत सरकार द्वारा थान का समर्थन मूल्य धान कॉमन रू0 2369.00 प्रति कुन्तल एवं ग्रेड 'ए' रू0 2389.00 प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष रू0 69.00 प्रति कुन्तल अधिक धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है।

डीएम ने नवीन राजकीय सम्प्रेक्षण गृह का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

रायबरेली, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा जनपद के गोरा बाजार स्थित नवीन राजकीय सम्प्रेक्षण गृह जिसकी क्षमता 100 बेड है, का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सम्प्रेक्षण गृह में लगाए गए अग्निशमन उपकरणों का परीक्षण करवा लिया जाये तथा रसोई घर में समस्त व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराने के उपरान्त ही नियमानुसार किशोरों को आवासित कराया जाये।

इसके अलावा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह की साफ-सफाई व समस्त व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान भी रखा जाये। निरीक्षण के समय जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, संस्था के अधीक्षक रन बहादुर वर्मा उपस्थित रहें।

कार्यालय ग्रा.पं. जलालपुर चांदपुर वि.ख. कटेहरी अंबेडकर नगर

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत जलालपुर चांदपुर वि.ख. कटेहरी जनपद अंबेडकरनगर में मनरेगा/ राज्य/ 15वां/ केंद्रीय वित्त / SLWM के योजनाअंतर्गत लिखित कार्य के लिए सामग्री ईट, सीमेंट, बालू, मोरंग, सरिया आदि हेतु आपूर्ति मालिकों व आपूर्तिकर्ताओं से अपने लेटर पैड पर मुहर बंद निविदाएं दिनाँक 16/11/ 2025 से 20/11/2025 तक की अवधि में ग्राम पंचायत कार्यालय के कार्य अवधि में आमंत्रित की जाती है तथा दिनाँक 20/11/2025 को अधोहस्ताक्षरित निविदाओं के समक्ष खोली जाएगी। किसी भी निविदा को बिना कोई कारण बताए स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा।

आपूर्ति हेतु सामग्री निम्नवत है।

परियोजना का नाम-(1) जलालपुर चांदपुर मे आरआरसी सेंटर निर्माण कार्य।

(2) ग्राम पंचायत में विभिन्न स्थानों पर शोक पिट निर्माण कार्य।

पंकज वर्मा
प्रधान
ग्रा.पं. ग्राम सभा जलालपुर चांदपुर
वि.ख. कटेहरी अंबेडकर नगर

अनिल यादव
सचिव
ग्रा.पं. ग्राम सभा जलालपुर चांदपुर
वि.ख. कटेहरी अंबेडकर नगर

कार्यालय ग्रा.पं. रामनगर जामदरा वि.ख. कटेहरी अंबेडकर नगर

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत रामनगर जामदरा वि.ख. कटेहरी जनपद अंबेडकरनगर में मनरेगा/ राज्य/15वां/ केंद्रीय वित्त / SLWM के योजनाअंतर्गत लिखित कार्य के लिए सामग्री ईट, सीमेंट, बालू, मोरंग, सरिया आदि हेतु आपूर्ति मालिकों व आपूर्तिकर्ताओं से अपने लेटर पैड पर मुहर बंद निविदाएं दिनाँक 16/11/ 2025 से 20/11/2025 तक की अवधि में ग्राम पंचायत कार्यालय के कार्य अवधि में आमंत्रित की जाती है तथा दिनाँक 20/11/2025 को अधोहस्ताक्षरित निविदाओं के समक्ष खोली जाएगी। किसी भी निविदा को बिना कोई कारण बताए स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा।

आपूर्ति हेतु सामग्री निम्नवत है।

परियोजना का नाम-(1) रामनगर जामदरा में आरआरसी सेंटर निर्माण कार्य

(2) ग्राम पंचायत में विभिन्न स्थानों पर शोक पिट निर्माण कार्य

रामशरन
प्रधान
ग्रा.पं. ग्राम सभा रामनगर जामदरा
वि.ख. कटेहरी अंबेडकर नगर

अनिल यादव
सचिव
ग्रा.पं. ग्राम सभा रामनगर जामदरा
वि.ख. कटेहरी अंबेडकर नगर

सीतापुर में एनडीए बिहार विजय का जश्न

● सीतापुर बीजेपी कार्यालय में 'प्रचंड बहुमत' पर आतिशबाज़ी, '2027' की हुंकार!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर: बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को मिली 'प्रचंड जीत' का जश्न उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में भी ज़ोरदार तरीके से मनाया गया। बिहार के चुनावी नतीजे आते ही, भाजपा कार्यकर्ताओं ने सीतापुर के जिला कार्यालय को मानो 'जश्न-ए-मैदान' में बदल दिया। रिपोर्ट के अनुसार, यह जश्न जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला के नेतृत्व में मनाया गया, जहां उत्साह का माहौल चरम पर था।

कार्यालय में 'जीत की आतिशबाज़ी': जैसे ही बिहार में एनडीए के बहुमत की ख़बर पक्की हुई, भाजपा कार्यालय परिसर आतिशबाज़ी और पटाखों की गूंज से गूंज उठा। कार्यकर्ताओं ने ज़ोरदार आतिशबाजी और पटाखे छोड़कर अपनी खुशी का इज़हार किया। जीत की खुशी में जिला अध्यक्ष ने पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं का मुंह मिठाई खिलाकर मीठा कराया और सभी को बधाई दी। इस दौरान 'भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद' और 'नरेंद्र मोदी जी जिंदाबाद' जैसे नारे गूंजते रहे।

2027' की तैयारी का ऐलान:

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह विजय रथ जनता के विश्वास से निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बिहार की जनता को महान बताते हुए जनादेश के लिए धन्यवाद किया।

सबसे महत्वपूर्ण बात, जिला अध्यक्ष ने आत्मविश्वास से कहा कि बिहार का यह परिणाम केवल एक जीत नहीं है, बल्कि यह संकेत है कि भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा आम चुनाव में भी यही रिजल्ट दोहराएगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश की जनता से भी आगामी समय में कमल खिलाने के लिए एकजुट होने का आवाहन किया।

सीतापुर में मनाया गया यह जश्न साफ दर्शाता है कि बिहार की जीत ने उत्तर प्रदेश में भी पार्टी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भर दी है, और उनकी निगाहें अब अगले बड़े लक्ष्य यानी 2027 विधानसभा चुनाव पर टिक गई हैं।

संक्षिप्त खबरें

ओरिएंट पेपर मिल अमलाई में किया गया विधिक जागरूकता शिविर

शहडोल मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशन तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष महोदय श्री काशीनाथ सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शहडोल के मार्गदर्शन में एवं श्री सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति, बुढ़ार एवं श्रीमती आकांक्षा तेकाम श्री ऋषव दीक्षित श्री लक्ष्मण रोहित व्यवहार न्यायाधीश बुढ़ार की उपस्थिति में दिनांक 12 नवम्बर 2025 को न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के उपलक्ष्य में opm amlai में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में उपस्थित मजदूरों को मोटर वाहन अधिनियम डिजिटल अरेस्ट, मौलिक अधिकार एवं अन्य विषयों में जागरूक किया गया। शिविर में opm ke general manager चंद्रशेखर काशिकर एवं विधिक सेवा समिति न्यायालय बुढार से संबंद्ध सामाजिक कार्यकर्ता अभिषेक मुखर्जी उपस्थित रहे।

डिवाइडर से टकराकर ट्रैक्टर, ट्राली पलटी, हादसे में एक दर्जन से अधिक मजदूर घायल

हमीरपुरः- शुक्रवार सुबह मजदूरों से भरी ट्रैक्टर ट्राली स्टेट हाइवे में डिवाइडर से टकराकर पलट गई जिसमें सवार एक दर्जन से अधिक मजदूर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया ,जहां से दो मजदूरों को गंभीर हालत में कानपुर रेफर किया गया। घटना सदर कोतवाली क्षेत्र के शीतलपुर गांव के पास का है ,यहां ट्रैक्टर की ट्राली पर बैठकर धान काटने जा रहे मजदूरों से भरी ट्रैक्टर ट्राली स्टेट हाइवे के डिवाइडर से टकराकर पलट गई ,जिसके बाद मजदूरों में चीख पुकार मच गई।इस सडक हादसे में ट्रैक्टर ट्राली सवार एक दर्जन से अधिक महिला और पुरुष मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। बताते चलें कि प्रशासन के तमाम प्रयासों और निर्देशों के बाद भी जिम्मेदार ट्रैक्टर ट्रॉली द्वारा लोगों को बैठाकर परिवहन करने पर रोक नहीं लगा पा रहे हैं।बीते दिनों ऐसी ही कई घटनाओं में लोगों की मौत तक हो चुकी है। लेकिन बड़ी घटना के बाद प्रशासन कुछ दिनों तक तो मुस्तैद रहता है, फिर शिथिल हो जाता है, जिससे ऐसी घटनाएं हो जाती हैं।

बाइक का संतुलन बिगड़ने से दुकानदार पेड़ से टकराया, हुई मौत

हमीरपुरः- मौदहा क्षेत्र के अरतरा निवासी दुकानदार अपनी की सामग्री लेकर मौदहा से अरतरा गांव की ओर वापस जाते समय बाइक का संतुलन बिगड़ जाने से पेड़ से टकरा गया।राहगीरों ने एम्बुलेंस की मदद से कस्बे के सरकारी अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया द्य इस दर्द नाक मौत से परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई द्य कोतवाली क्षेत्र का अरतरा निवासी जितेन्द्र कुमार यादव (24 वर्ष)पुत्र रामकिशुन शुक्रवार दोपहर अपनी बाइक से बिना हेलमेट लगाए मौदहा से परचून की दुकान का सामान खरीदकर घर लौट रहा था, उसी दौरान उसकी बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे जहां देखते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी, जिसकी शादी को अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ है, रो-रोकर बेसुध हो गई। मृतक के पिता राम किशोर ने बताया कि बीती18 फरवरी 2024 को ही बेटे का विवाह हुआ था। उन्होंने कहा कि इस दुखद घटना ने पूरे परिवार को तोड़कर रख दिया है। पत्नी संजू यादव यह खबर सुनते ही बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ी। मृतक दो भाई और एक बहन में सबसे बड़ा था। छोटे भाई प्रांशु यादव ने बताया कि हादसा पेड़ से टकराने के कारण हुआ। अस्पताल प्रशासन ने पीआरवी को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। कोतवाली पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी उमेश कुमार सिंह ने बताया कि आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

बाबा खान बने पत्रकार, हर थानों में आपराधिक मामले फिर भी बन बैठे पत्रकार

● पत्रकार संगठन कर रहे आंदोलन लेकिन अपराधियों को भी कोई भी भय नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिनेश चौधरी की रिपोर्ट

शहडोल जिले में विभिन्न तरह के पत्रकारों को देखा जा रहा हैं। देश का चौथा स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकार जगत को इस समय पूरा सिस्टम ही बिगड़ गया हैं। आपको बता दे कि आम व्यक्ति को पत्रकार बनते तो अपने देखा ही होगा। लेकि मजे की बात तो ये हैं कि जो व्यक्ति अपराध की दुनिया का बेताज बादशाह बना हैं अब वो भी पत्रकारों की चोली पहन कर अपने आप को बचाने की पूरी कोशिश की जा रहा हैं।

आपको बता दे कि धनपुरी निवासी बाबा खान उर्फ अमजद खान जो अपने आप को पत्रकार बताता हैं वो पहले भालूमाड़ा में ईंट कारोबार का कार्य के साथ अन्य कामों में भी अपना दबदबा बना कर चलता था, लेकिन भालूमाड़ा पुलिस के आगे बाबा का जलवा ज्यादा देर तक न टिक सका और अब बाबा धनपुरी में आके पत्रकार की चोला ओढ़कर लोगों से रंगदारी और भी गलत कामों में अपने रिकॉर्ड तंदुरुस्त करता। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाबा उर्फ अमजद खान के ऊपर बुढ़ार सहित धनपुरी थाने में 11/2018 379 का मामला कायम हैं। वही बुढ़ार थाने में 306, 506 का मामला भी कायम हैं, लेकिन फिर भी जनाव पत्रकार हैं। अब तो भगवान ही बचाये ऐसे पत्रकारों से।

अलग अलग पत्रकार संगठन कर रहे आंदोलन लेकिन अपराधी बने पत्रकार

आपको बता दे कि देश का चौथा स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकार अपनी एक अलग पहचान बना कर पूरी दुनिया को अपने खबरों के माध्यम से जाना जता हैं। कुछ पत्रकार संगठन आंदोलन कर तो कुछ ज्ञापन देकर अपने हितों और पत्रकार की आपराधिक रिकॉर्ड देखकर ही पत्रकार को पत्रकारिता जगत में आने का प्रावधान बनाना चाहिए।

आपको बता दे कि संगठनों का यह भी मांग हैं कि बिना पुलिस वेरिफिकेशन के पत्रकारों को कोई भी एजेंसि न दिया जाए। लेकिन पैसे में बहुत ताकत होती हैं ये दुनिया भर में देखा जा सकता हैं। ठीक वैसे ही शहडोल जिले के धनपुरी में पत्रकारों की माने तो बाढ़ आ गया हैं। आपको बता दे कि धनपुरी में जितने पत्रकार हैं उनमें से आधे पत्रकार तो पुलिस की डायरी में अपराध का रिकॉर्ड बना हैं लेकिन पैसा हैं तो सब हैं।

गहरौली ने जीती कबड्डी प्रतियोगिता

हमीरपुरः- बाल दिवस के अवसर पर मुस्करा विकासखण्ड क्षेत्र के गहरौली गांव में 39वी ब्लॉकस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख वीरनारायण राजपूत एवं करन दहू जिला पंचायत सदस्य एवं विशिष्ट अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलोक सिँह ने किया।प्रतियोगिता का शुभारम्भ 50मी दौड़ से हुयी जिसमें अरुण प्रा0 वि0मसगांव विजयी रहे ,बालिका वर्ग की100 मी0 दौड़ जूनियर स्तर में खड़ेही लोधन के कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय की पिंकी जीती, जूनियर स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता में गहरौली की टीम विजेता रही। प्रतियोगिता में विभिन्न स्तरों में कुल 18 प्रतियोगिता संपन्न करायी गई। प्रतियोगिता में ब्लॉक व्यायाम शिक्षक उमेश कुमार समस्त नोडल प्रभारी, समस्त समितियो के प्रभारी मौजूद रहे।

मुगलकालीन इतिहास में जो शासक साहित्य संगीत कला से दूर रहा वह उतना ही क्रूर रहाः-कवि भूषण कमलेश मर्य मृदु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर कीर्ति शेष सीमाक्षी विशाल की कृति मे बांसुरी हूं के लोकार्पण समारोह के अवसर पर बोलते हुए अपने जनपद के विख्यात कवि साहित्य भूषण कमलेश मौर्य मृदु ने कहा पूरे मुगलकालीन इतिहास में जो शासक साहित्य संगीत कला सें दूर रहा वह उतना ही क्रूर रहा। उन्होंने आगे कहा हम शस्त्र द्वारा पशु को मार सकते हैं पशुता को नहीं, हम दानव का संहार कर सकते हैं दानवता नहीं। पाशविक और दानवी प्रवत्ति का उन्मूलन केवल संवेदना जगाकर ही संभव है। साहित्य संगीत और कला मनुष्य में संवेदना जगाने का सशक्त माध्यम हैं। इस अवसर पर माल्यार्पण अंगवस्त्र स्मृति चिन्ह व स्मृति भेंट देकर श्री मृदु को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम व्यवस्थापक हास्य व्यंग कवि अरविंद झा, आमिर अनपढ़, श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव व धुवल श्रीवास्तव, विशाल श्रीवास्तव ने मुख्यातिथि सहित सभी मंचस्थ विभूतियों का माल्यार्पण व सम्मान किया।

मुख्य वक्ता प्रसिद्ध शायर संजय शौक ने मैं बांसुरी हूं के अनेक गीतों मुक्तक दोहों को उद्धृत करते हुए इस कृति को साहित्य की उत्कृष्ट पुस्तक बताते हुए सराहना की। इसके अतिरिक्त गीतकार प्रियांशु गजेन्द्र, शायर रामप्रसाद बेखुदी, श्रीमती शशि श्रीवास्तव, साकेत शर्मा, ज्योति शेखर अमित अनपढ़ ने संबोधित करते हुए पुस्तक की सराहना करते हुए विशाल श्रीवास्तव को बधाइयां दी।मुख्य अतिथि सीतापुर के एम एल सी पावन सिंह चौहान विशिष्ट अतिथि व प्रसिद्ध व्यापारी नेता संदीप बंसल व अध्यक्ष गीतकार डा सुरेश श्रीवास्तव सहित मंचस्थ विद्वानों ने मां शारदे के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। विशाल श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया तथा आभार व्यक्त किया। समारोह के प्रारंभ में कविवर राजीव वर्मा वत्सला ने सुमधुर बांसुरी की धुन सुनाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। लखनऊ के अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध अकादमी में आयोजित इस लोकार्पण समारोह समापन भोज व उपहार के साथ संपन्न हुआ।

बच्चों ने दिखाई प्रतिभा की झलक विज्ञान, प्रदर्शनी में लगे आकर्षक मॉडल

हमीरपुरः- राठ कस्बा के एपेक्स मॉर्डन स्कूल, हिंद एंजिल्स पब्लिक स्कूल, क्राइस्ट कान्वेंट स्कूल, इंडस वैली पब्लिक स्कूल व सरस्वती बाल मंदिर इंटर कॉलेज में वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी तथा विज्ञान मेले का शानदार आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा तैयार किए गए नवाचारपूर्ण मॉडल सभी के आकर्षण का केंद्र बने। प्रदर्शनी में कक्षा आठ की छात्राओं यशिंका द्विवेदी, माही राजपूत, अंकिता, तनिष्का और अपर्णा राजपूत द्वारा बनाया गया विंडमिल वर्किंग मॉडल विशेष रूप से सराहा गया। इसके अलावा स्मार्ट सिटी, वेस्ट मैनेजमेंट, इलेक्ट्रॉनिक मशीन, स्मार्ट मिरर, डिजिटल इंडिया, अबाउट पॉल्यूशन, डिज़ास्टर मैनेजमेंट, ऑटोमेटिक स्ट्रीट लाइट, सेव अर्थ, डिजिटल सिटी, वॉटर डिस्पेंसर, इलेक्ट्रिक शूज़, स्मार्ट होम प्रोटोटाइप, ग्रीन एनर्जी प्लांट, सोलर स्ट्रीट लाइट सिस्टम, तथा हेल्थ मॉनिटरिंग डिवाइस सहित कई उन्नत तकनीकी प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए गए। बच्चों के कौशल और वैज्ञानिक समझ का आकलन करने के लिए बीएनवी डिग्री कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. कैलाश विश्वकर्मा एवं डॉ. बृजेश राजपूत ने सभी मॉडलों का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से मॉडल की वैज्ञानिक प्रक्रिया, उपयोगिता और निर्माण के संबंध में ज्ञानवर्धक चर्चा की और बच्चों के उत्साह की सराहना की। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रबंधक पूनम अजेश राजपूत, पूर्व ब्लॉक प्रमुख सत्यपाल यादव, प्रधानाचार्य शिवकुमार आर्य सहित बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे। सभी ने बच्चों की रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच की प्रशंसा की।

लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती समारोह आज

बिसवां, सीतापुर। राष्ट्रीयता एवं कौमी एकता के प्रतीक लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती समारोह का आयोजन 15 नवंबर को दोपहर 1 बजे से सेठ जय दयाल इंटर कॉलेज सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम संयोजक सिराज टाइम्स हिंदी दैनिक समाचार पत्र के सम्पादक सिराज अहमद ने बताया कि अखबार द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा ओजस्वी भाषण प्रस्तुत किए जाएंगे। सिराज अहमद ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन और कार्य हमें एकता, अखंडता और देशभक्ति की प्रेरणा देते हैं। उनके 150वें जन्मदिवस पर, हम उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेते हैं। कार्यक्रम समन्वयक वरिष्ठ साहित्यकार संदीप मिश्र सरस ने लोगों से अधिक संख्या में पहुंचने की विशेष अपील की है।

सिसीबरगांव विधानसभा क्षेत्र के अकाजान में मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता मिशन के तहत 32860 महिलाओं को 10-10 हजार रुपये के चेक वितरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धेमाजी असम। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा ने आज धेमाजी जिले के सिसीबरगांव विधानसभा क्षेत्र के अकाजान हाइस्कूल खेल मैदान में आयोजित एक जनसभा में मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता मिशन के तहत 32860 महिलाओं को 10-10 हजार रुपये के चेक वितरित किए। मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों से इस कोष से अपनी आजीविका और आर्थिक स्थिरता में सुधार कर उद्यमिता की ओर बढ़ने का आग्रह किया। आज मामा ने सभी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 10-10 हजार रुपये दिए हैं। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं इस कोष का उपयोग ईमानदारी से काम के लिए करेंगी, उन्हें आने वाले दिनों में क्रमशः 25,000 रुपये और इसके बाद 50,000 रुपये का अनुदान दिया जाएगा। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम सरकार ने आज महिलाओं के लिए आर्थिक रुप से जागृति का युग शुरू किया है। हमारा मुख्य उद्देश्य असम में 40 लाख महिलाओं को करोड़पति बनाना है। आर्थिक विकास के साथ-साथ समाज में महिलाओं की भूमिका ने आज असम में बदलाव की लहर ला दी है। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि महिलाओं को अरुणोदय योजना के 1250 रुपये के साथ ही

गैस सिलेंडर के लिए अलग से 250 रुपये में उपलब्ध होंगे ।उन्होने कहा कि हमारी सरकार मुफ्त प्रवेश, निजुत मोइना योजना, लड़कियों के लिए साइकिल और उत्कृष्ट परिणाम वाले छात्राओं के लिए स्कूटर दिये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज का असम शांति, समृद्धि और बदलाव की ओर बढ़ रहा है। कई अन्य राज्य अब असम के विकास मॉडल का अनुसरण कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने सीसीबरगांव एवं सिलापथार के महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक साल बाद उन्होंने इस इलाके में फिर आयेंगे और 30 हज़ार महिलाओं को लाखपति महिला के रूप में देखना चाहते हैं। उन्होंने आशा किया, विकास और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का आग्रह किया।

बिहार में बीजेपी का जीत के उपर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा राहुल गांधी जहां पर भी चुनाव प्रचार किया है वहां भाजपा के उम्मीदवार ने जीत हासिल किया है। असम में कई विपक्ष नहीं है, है तो सिर्फ होटलों में है जनता के साथ नहीं हैं। 2026 में असम में भाजपा ही सरकार गठन करेंगे ओर विपक्ष विवाह के दिन निर्धारित करेंगे कहकर तीव्र आलोचना की है।

सभा में शिक्षा मंत्री डॉ रनोज पेगु, विद्युत मंत्री प्रशांत फुकन, सांसद प्रदान बरुआ, विधायक भुवन पेगु और मिसिंग स्वायत्त शासित परिषद के मुख्य कार्यवाही सदस्य परमानंद सांयेंगियां,

दुवारा, बोडो कछाडी कल्याण स्वायत्त शासित परिषद के मुख्य कार्यवाही सदस्य मिहिनीश्वर बसुमतारी, सोनवाल कछारी स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य, देवरी स्वायत्त शासित परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य भैरब देउरी, असम सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. बी कल्याण चक्रवर्ती, धेमाजी जिला आयुक्त राहुल सुरेश जाबिर, जोनाई सह जिले के आयुक्त आनंद मल्होत्रा, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन सहित कई अन्य विभागों के शीर्ष क्रम के अधिकारियों ने भाग लिए।

शहडोल में संभाग स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन संपन्न हुआ, जिसकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल संभाग के चारों जिले शहडोल अनूपपुर उमरिया और डिंडोरी के प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया। 07 विधाओं में प्रतिभागियों ने की प्रतिस्पर्धा। संभाग स्तरीय युवा उत्सव का शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान द्वारा विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। मप्र शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में संभाग स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 13 नवम्बर 2025 शुक्रवार को शुभम् पैलेश में किया गया। यह आयोजन ज़िला खेल एवं युवक कल्याण विभाग के प्रभारी अधिकारी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहडोल अभिषेक दीवान के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस वर्ष महोत्सव की थीम 'सांस्कृतिक और नवाचार' पर आधारित रही। आयोजन का उद्देश्य संभाग के युवाओं में रचनात्मकता, सांस्कृतिक चेतना और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करना था।

संभाग भर के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवक-युवतियों ने इस प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खेल एवं युवक कल्याण विभाग के ब्लॉक समन्वयक अजय सोंधिया द्वारा संभाग स्तरीय कार्यक्रम का सफल मंच संचालन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रीतिका पांडे जिला डिंडोरी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कविता लेखन की प्रतियोगिता में सुमित तिवारी जिला शहडोल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कहानी लेखन की प्रतियोगिता में कृति शुक्ला जिला उमरिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पेंटिंग की प्रतियोगिता में आयुषी अग्रवाल जिला अनूपपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सामूहिक लोकगीत की प्रतियोगिता में मां शारदा संगीत विद्यालय शहडोल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । सामूहिक लोक नृत्य की प्रतियोगिता में शासकीय ज्ञानोदय विचारपुर शहडोल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं विज्ञान प्रदर्शनी की प्रतियोगिता में किशन खांडे शहडोल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम की समाप्ति में अतिथि गणों के द्वारा सभी विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किया गया, अतिथि के रूप में जिला विधिक अधिकारी देवेंद्र सिंह, समाज सेवी सफदर वोहरा, पुष्पराज सिंह ,डॉक्टर एन एल पटेल आदि उपस्थित रहे। संभाग स्तर पर सभी विजेता प्रतिभागी 16 एवं 17 नवंबर को भोपाल में हो रही राज्य स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। खेल एवं युवक कल्याण विभाग शहडोल के द्वारा सभी प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदर्शन के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी गई है।

कुल विजुअल- 08

बाइट- अभिषेक दीवान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल युवक कल्याण अधिकारी शहडोल

बाइट- दिनेश चंदेल, ब्लॉक क्वाडिनेटर युवक कल्याण विभाग अनूपपुर

बाइट- सपना सिंह, प्रतिभागी ज़िला अनूपपुर

बाइट- प्रिया सिंह, प्रतिभागी ज़िला डिंडोरी

बाइट- मोहन सिंह, प्रतिभागी ज़िला उमरिया

धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) खैराबाद, सीतापुर में आज बाल दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चे देश के भविष्य का आधार हैं और उनके सर्वांगीण विकास हेतु गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रवक्ता अमित कुमार, अमित कुमार वर्मा, मोनिका गौतम, शाह खालिद सहित संस्थान के शिक्षकगण, प्रशिक्षु एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। वक्ताओं ने पंडित जवाहरलाल नेहरू की बाल-हितैषी सोच और उनके योगदान को याद करते हुए बच्चों के शैक्षिक, बौद्धिक एवं रचनात्मक विकास को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, निबंध व भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागी बच्चों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अंत में प्राचार्य डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह ने सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिलाधिकारी ने धान क्रय केंद्र का निरीक्षण कर दिए निर्देश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने शुक्रवार को राजकीय धान क्रय केन्द्र शोहरतगढ़ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने स्टाक रजिस्टर, ह्यबोरा रजिस्टर, भुगतान रजिस्टर, सम्पर्क रजिस्टर आदि को देखा गया। और उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक किसानों से वार्ता कर धान को क्रय केन्द्र पर बेचने हेतु प्रोत्साहित करें तथा रजिस्टर में उसका अंकन भी करे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसानों को बैठने, पीने के पानी, छाया आदि की व्यवस्था होना चाहिए।किसानों को अनावश्यक रूप से परेशान न करें। इस दौरान क्रय केन्द्र प्रभारी एवं अन्य सम्बन्धित लोग मौजूद रहें।

आर्यकुल कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड रिसर्च मे बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आर्यकुल कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड रिसर्च, सीतापुर में बाल दिवस बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10 बजे सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मंच संचालकों ने बाल दिवस के महत्व तथा पंडित जवाहरलाल नेहरू के बच्चों के प्रति स्नेह के बारे में जानकारी देते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

इसके पश्चात विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें समूह नृत्य, देशभक्ति गीत, कविताएँ, नाटक और भाषण प्रमुख रहे। बाल अधिकारों एवं सामाजिक संदेशों पर आधारित नाटक को उपस्थित सभी अतिथियों ने विशेष सराहना दी।

बच्चों की ऊर्जा, आत्मविश्वास और उनकी प्रस्तुति ने पूरे कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रबंध निदेशक डॉ. सशक्त सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों को राष्ट्र का भविष्य बताया और उन्हें अच्छी शिक्षा, अनुशासन, नैतिकता और सकारात्मक सोच अपनाने का संदेश दिया। संकाय प्राचार्या डॉ. स्तुति वर्मा ने सभी विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें अपनी प्रतिभा और रुचि को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। डीन एकेडमिक श्रीमती रुचि सिंह ने कॉलेज के शैक्षणिक वातावरण और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उपनिदेशक डॉ. आदित्य सिंह, डॉ. अब्दुल रब खान तथा रजिस्ट्रार रोहित सिंह सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षकगणों का विशेष योगदान रहा, जिनमें राजीव कुमार, ऋषभ शुक्ल, तबस्सुम बानो, अनुभा धुरिया, रेहान, अभिमन्यु, तान्या उपाध्याय, नीलम वर्मा, प्रांजुल वर्मा, मोहित यादव, साहिल सिंह, तिलक राज, अरुण सिंह, प्रीति यादव, प्रवीण, अबरार, रमा सिंह आदि शामिल रहे।

बच्चों की रचनात्मकता को निखारने और उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु चित्रकला, भाषण, क्विज़, कविता पाठ एवं गीत-संगीत जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। सभी अतिथियों एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए बाल दिवस के उद्देश्य–बच्चों के सर्वांगीण विकास और खुशहाली–को दोहराया। बाल दिवस का यह उत्सव आर्यकुल कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड रिसर्च, सीतापुर के लिए अत्यंत यादगार रहा और बच्चों के लिए प्रेरणा एवं सीख से भरा हुआ विशेष दिन साबित हुआ।

महावीर स्टडी इस्टेट सीनियर सेकेण्ड्री कॉलेज में बाल दिवस पर हुआ मेले का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। कस्बे के हैदरगढ़ रोड पर स्थित महावीर स्टडी इस्टेट सीनियर सेकेण्ड्री कॉलेज महराजगंज में स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के जन्म दिन पर बाल मेले का आयोजन बच्चों द्वारा किया गया। सर्वप्रथम प्रधानाचार्य कमलब वाजपेयी ने प्रार्थना सभा में जवाहर लाल जी के चित्र पर बच्चों तथा अध्यापकों के साथ माल्यार्पण किया प्रधानाचार्य ने बच्चों को बताया कि जवाहर लाल जी का जन्म 14 नवम्बर 1889 को इलाहाबाद प्रयागराज में माता स्वरूपरानी तथा पिता मोतीलाल नेहरू के घर हुआ। नेहरू जी बच्चों से प्यार करते थे अतः अपना जन्मदिन बाल दिवस को समर्पित किया। आपके द्वारा किए गए पंचवर्षीय योजना के कार्य स्वास्थ्य में एम्स का निर्माण तथा टेक्नोलॉजी हेतु इंजीनियरिंग कॉलेजों की स्थापना सराहनी है। आपकी लिखी किताबें भारत एक खोज, पिता की पत्र पुत्री के नाम आज भी सार्थक हैं।

आपको बता दें कि, बाल मेले का उद्घाटन मैनेजर अवधेश बहादुर सिंह ने किया बच्चों ने बाल मेंले में 50 स्टॉल विविध व्यंजनों के लगाए। बच्चों ने स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा था। प्रधानाचार्य ने बताया कि, बाल मेंले के आयोजन में बच्चों को अपना को अपना उत्पादन ज्यादा बेचनें तथा विनिमय एवं अपने उत्पाद के विषय में ग्राहकों को आकर्षित करने की शिक्षा मिली। जिसमें टीम भावना, स्टार्टअप, मेक इन इंडिया, स्किल डेवलपमेंट की शिक्षा प्रयोगात्मक रूप से सीखी। छोटे बच्चों ने चाचा नेहरू के किरदार तथा लायर एवं सैनिकों के रूप में भागीदारी की। जिसे सबने मुक्त कंण्ठ से सराहा। कॉलेज के समस्त स्टाफ, अध्यापकों को सकारात्मक सहयोग हेतु धन्यवाद दिया। इस अवसर पर राजीव मिश्रा, सुरेंद्र प्रजापति, मंजू सिंह, सरिता मिश्रा, अनुपम सिंह, राजकिशोर पाल, नीरू बाजपेई, आदर्श शुक्ला, ज्योति सिंह, शालिनी सिंह, साधना सिंह, रुचि सिंह, गर्विता सिंह, छाया सिंह, आलोक यादव, लवलेश सिंह, राधा शुक्ला, सौम्या शुक्ला, सहित सभी शिक्षक- शिक्षिकाएं तथा समस्त स्टाफ मौजूद रहा।